वर्ष-10 अंक-262 पृष्ठ- 8 मूल्यः 3 रूपये

प्रयागराज, मंगलवार 31 दिसम्बर 2024

TM

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष में प्रसारित

Download From Google Play

Adhunik Samachar

नगर संस्करण

10

YouTube आधुनिक समाचार नेटर्वक

संक्षिप्त समाचार

साल के आखिरी दिन दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड, शीतलहर से बढ़ी मुश्किलें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । एनसीआर में पिछले दो दिनों से जबरदस्त ठंड और शीतलहर चल रही हैं। नए साल से पहले कड़ाके की ठंड

पड़ने लगी है। दिल्ली-एनसीआर में शीतलहर ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आज साल के आखिरी दिन भी कड़ाके की ठंड है।:दिल्ली एनसीआर में पिछले दो दिनों से जबरदस्त ठंड और शीतलहर चल रही हैं। नए साल से पहले कड़ाके की ठंड पड़ने लगी है। दिल्ली-एनसीआर में शीतलहर ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। आज साल के आखिरी दिन भी कड़ाके की ठंड है। सुबह के समय तापमान 10.8 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने नए साल पर बारिश होने की संभावनाएं जताई हैं। वहीं अगर आज के मैसम की बात करें तो अधिकांश इलाकों में ठंड रहेगी। आईएमडी की रिपोर्ट के मुताबिक आज अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस रहेगा और न्यूनतम तापमान10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। दिल्ली के सफदरजंग में 1000 मीटर की दृश्यता रही जहां अलग-अलग दिशाओं से चार किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चली, वहीं पालम में 1500 मीटर की दृश्यता देखने को मिली यहां भी अलग-अलग दिशाओं से चार किमी प्रति घंटे की हवा चली। कुछ दिन पहले दिल्ली एनसीआर में बारिश हुई थी जिसके चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

कोलकाता के दवा फर्म पर ण्अएण्ध् की छापेमारी, 6.6 करोड़ रुपये की नकली दवाएं जब्त

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
कोलकाता। हिरासत में मालकिनस्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण

मंत्रालय जनता की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।पश्चिम बंगाल में कोलकाता के एक थोक दवा दुकान के परिसर में 6.6 करोड़ मूल्य की नकली दलाएं जब्त की गईं। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) और औषधि नियंत्रण निदेशालय की संयुक्त जांच में इसका खुलासा हुआ। इस जांच के दौरान एक महिला की पहचान फर्म की मालकिन के तौर पर की गई। उसे सीडीएससीओ पूर्वी जोन के ड्रग्स इंस्पेक्टर ने हिरासत में ले लिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से इसकी जानकारी दी गई है। कोलकाता के केयर एंड क्योर फॉर यू फर्म में छापेमारी की गई। इस दौरान बड़ी मात्रा में बड़ी मात्रा में कैंसर रोधी, मधुमेह रोधी और नकली दवाएं जब्त की गई। इन दवाओं में आयरलैंड, तुर्की, अमेरिका और बांग्लादेश समेत कई देशों में निर्मित होने का लेबल लगाया गया। इन दवाओं का कोई वैध दस्तावेज नहीं था। मंत्रालय ने बताया कि वैध दस्तावेजों की अनुपस्थिति के कारण इन दवाओं को नकली माना जाता है। जांच दलों को कई खाली पैकिंग सामग्री भी मिली। जब्त की गई दवाओं की कुल बाजार कीमत 6.60 करोड़ रुपये है। उचित जांच सुनिश्चत करने के लिए दवाओं के नमूने को गुणवत्ता परीक्षण के लिए भेजा गया है। कुछ दवाओं को सीडीएससूओ ने सुरक्षित रख लिया है। अदालत ने गिरफ्तार महिला को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले की आगे की जांच जारी है।स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, ठस्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय जनता की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह जांच और जब्ती मौजूदा समय में बाजारों में नकली और घटिया दवांओं की बिक्री को रोकने के लिए सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति को रेखांकित करती है।ठ सीडीएससीओ और राज्य के अधिकारी नकली दवाओ के खतरे उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए साथ में काम करना जारी रखेंगे।

सड़कों से हटेंगी 15 साल पुरानी रोडवेज बसें, सीएम फडणवीस बोले- सीएनजी और एलएनजी को बढ़ावा देंगे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हर विभाग के अगले 100 दिन की योजना पर चर्चा की। सीएम फडणवीस ने राज्य परिवहन निगम से 15 साल पुरानी

रोडवेज बसों को हटाने का आदेश दिया। इसके साथ ही 13 हजार से अधिक पुराने सरकारी वाहनों को हटाने का एलान किया। सीएम ने कहा कि पुरानी बसों को हटाकर राज्य परिवहन निगम में एलएनजी और सीएनजी बसें लाई जाएंगीं। महाराष्ट्र में बढ़ते सड़क हादसों पर लगाम लगाने के लिए सीएम देवेंद्र फडणवीस ने काम शुरू कर दिया है। सीएम फडणवीस ने राज्य परिवहन निगम से 15 साल पुरानी रोडवेज बसों को हटाने का आदेश दिया है। इसके साथ ही 13 हजार से अधिक पुराने सरकारी वाहनों को हटाने का एलान किया। सीएम ने कहा कि पुरानी बसों को हटाकर राज्य परिवहन निगम में एलएनजी और सीएनजी बसें लाई जाएंगीं।सह्याद्रि गेस्ट हाउस में एक समीक्षा बैठक के दौरान सीएम देवेंद्र फडणवीस ने हर विभाग के अगले 100 दिन की योजना पर चर्चा की। सीएम ने सड़क सुरक्षा पर जोर दिया। साथ ही सड़क हादसों को रोकने और उनकी जांच के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का इस्तेमाल करने की जरूरत बताई। बैठक में गूगल के साथ हुए समझौते पर भी चर्चा की गई।

तरिक्ष डॉकिंग के बाद इसरो का नया प्लान, निशाने पर एक और तकनीकी उपलब्धि पर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली ।मिशन के निदेशक एम. जयकुमार ने कहा कि पीएसएलवी-सी60 मिशन को पूरा कर लिया गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा कि रॉकेट ने 15 मिनट से अधिक की उड़ान के बाद उपग्रहों को 475 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित कर दिया है। भविष्य के अंतरिक्ष मिशन केंद्र में अपने संबोधन में कहा कि हमें उम्मीद है कि डॉकिंग प्रक्रिया में एक और सप्ताह का समय लग सकता है और यह बहुत कम समय में...करीब सात जनवरी को होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस मिशन में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा पीओईएम-4 है, जिसमें स्टार्टअप, उद्योग, शिक्षा जगत और इसरो केंद्रों से 24 पेलोड हैं। सोमनाथ ने कहा कि इन्हें मंगलवार सुबह प्रक्षेपित

के लिए महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी अंतरिक्ष 'डॉकिंग' का प्रदर्शन करने वाले इसरो के दो अंतरिक्ष यान सोमवार की देर रात सफलतापूर्वक एक दूसरे से अलग हो गए। उन्हें वांछित कक्षा में स्थापित कर दिया गया। अंतरिक्ष एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। मिशन के निदेशक एम. जयकुमार ने कहा कि पीएसएलवी-सी60 मिशन को पूरा कर लिया गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख एस. सोमनाथ ने कहा कि रॉकेट ने 15 मिनट से अधिक की उड़ान के बाद उपग्रहों को 475 किलोमीटर की वृत्ताकार कक्षा में स्थापित कर दिया है। उन्होंने कहा कि इसलिए, जहां तक हमारा सवाल है, रॉकेट ने अंतरिक्ष यान को सही कक्षा में स्थापित कर दिया है और 'स्पाडेक्स' उपग्रह एक के पीछे एक चले गए हैं, और समय के साथ ये आगे की दूरी तय करेंगे और उनके करीब 20 किलोमीटर दूरी तय करने के बाद 'डॉकिंग' की प्रक्रिया शुरू होगी। सोमनाथ ने मिशन नियंत्रण किया जाना है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक रात भर काम करेंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि पीओईएम-4 ऑपरेशन करने के लिए वांछित कक्षा स्तर तक पहुंच जाए। सोमनाथ ने बाद में सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में पत्रकारों से कहा कि पीएसएलवी-सी60 मिशन ने 220 किलोग्राम वजन वाले दो स्पाडेक्स उपग्रहों को 475 किलोमीटर की वांछित वृत्ताकार कक्षा में स्थापित किया गया है जबकि पहले 470 किलोमीटर की दूरी तय की गई थी। इस मिशन में पीओईएम-4 भी है, जिसमें अनुसंधान और विकास के लिए 24 पेलोड हैं। अंतरिक्ष विभाग के सचिव सोमनाथ ने कहा कि वे पेलोड हैं, उपग्रह नहीं। उन्हें अगले दो महीनों में प्रयोग करने के लिए (पीएसएलवी रॉकेट के) चौथे चरण से जोड़ा जाएगा। पीएसएलवी रॉकेट के ऊपरी चरण को 350 किलोमीटर की निचली कक्षा में लाया जाएगा और यह प्रक्रिया अभी जारी है। उसके बाद हम कई और गतिविधियां करेंगे।

स्पैडेक्स के प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री ने जताई खुशी, कहा- अंतरिक्ष में डॉकिंग करने वाला भारत चौथा देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से स्पेस डॉकिंग

एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) को लॉन्च किया। स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि भारत स्वदेशी रूप से विकसित भारतीय डॉकिंग सिस्टम के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग हासिल करने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) को लॉन्च किया। स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण पर केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि भारत स्वदेशी रूप से विकसित भारतीय डॉकिंग सिस्टम के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग हासिल करने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है। उन्होंने एक्स लिखा कि अंतरिक्ष विभाग के साथ ऐसे समय में जुड़ना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

पंजाब सरकार ने किसान नेता को अस्पताल भेजने के लिए मांगा और समय; सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई दो जनवरी तक टाली

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल बीते 36 दिन से अनशन कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर नजर रख रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि दो जनवरी को डल्लेवाल की सेहत से जुड़ी जानकारी ली जाएगी। पंजाब किसान जगजीत सिंह डल्लेवाल की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल 36 दिन से जारी है। बीमार किसान नेता के उपचार और उनकी सेहत ठीक रखने के लिए उठाए कदमों की आज सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा की जानी थी। मगर, राज्य सरकार ने बताया कि डल्लेवाल को अस्पताल जाने के लिए मनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वो मान नहीं रहे हैं। साथ ही सरकार ने डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के शीर्ष अदालत के आदेश का पालन करने के लिए तीन दिन का और समय

मांगा। इस पर अदालत ने सुनवाई दो जनवरी तक टाल दी। बता दें, इससे पहले पंजाब सरकार के अधिकारियों की एक टीम 29 दिसंबर को 70 वर्षीय डल्लेवाल के पास गई थी। उन्हें चिकित्सा सहायता लेने के लिए मनाने का प्रयास किया गया, लेकिन डल्लेवाल ने इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और सुधांशु धूलिया की अवकाश पीठ ने मामले को दो जनवरी को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया। दरअसल, पंजाब सरकार की ओर से पेश हुए एडवोकेट जनरल गुरमिंदर सिंह ने अदालत के 20 दिसंबर के आदेश के अनुपालन के लिए तीन दिन का और समय मांगने के लिए एक आवेदन दायर किया था। सिंह ने कहा कि अधिकारियों की एक टीम विरोध स्थल पर प्रदर्शनकारी किसानों से बातचीत कर रही है और डल्लेवाल को खनौरी सीमा के पंजाब की तरफ स्थित पास के अस्थायी अस्पताल में भर्ती कराने की कोशिश की जा रही है।

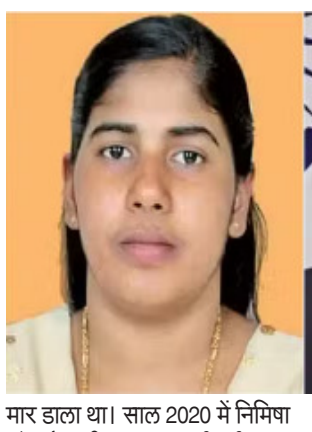

यमन में फंसी भारतीय नर्स की मदद की जाएगी; हत्या के मामले में दी गई है मौत की सजा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । निमिषा प्रिया 2017 से यमन की जेल में बंद है। निमिषा पेशे से नर्स है और नौकरी के सिलसिले में यमन गई थी। निमिषा पर आरोप है कि उसने साल 2017 में यमन के रहने वाले तलाल अब्दो माहदी को दवाई की ओवरडोज देकर

मार डाला था। साल 2020 में निमिषा को मौत की सजा सुनाई गई। अब मौत की सजा को राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है। यमन में फंसी भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मदद का विदेश मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह नर्स प्रिया की पूरी मदद करेगा। यमन नागरिक की हत्या के मामले में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा को राष्ट्रपति रशद अल अलीमी ने मंजूरी दे दी। बताया जाता है कि निमिषा को एक महीने के अंदर फांसी की सजा दी जाएगी। इसे लेकर विदेश मंत्रालय ने कहा कि हमें निमिषा प्रिया के मामले की जानकारी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रिया का परिवार कई विकल्पों के बारे में विचार कर रहा है। सरकार इस मामले में हर संभव मदद कर रही है। हम हर कानूनी मदद मुहैया कराएंगे। निमिषा प्रिया 2017 से यमन की जेल में बंद है। निमिषा पेशे से नर्स है और नौकरी के सिलसिले में यमन गई थी। निमिषा पर आरोप है कि उसने साल 2017 में यमन के रहने वाले तलाल अब्दो माहदी को दवाई की ओवरडोज देकर मार डाला था। दरअसल निमिषा का पासपोर्ट तलाल के पास जमा था और पासपोर्ट पाने के लिए ही निमिषा प्रिया ने तलाल को मार डाल सुनवाई के दौरान निमिषा ने कोर्ट को बताया कि तलाल ने फर्जी दस्तावेज बनाकर उसे अपनी पत्नी साबित कर दिया था और उसे प्रताड़ित करता था। निमिषा भागकर भारत ना आ जाए, इसके लिए तलाल ने निमिषा का पासपोर्ट अपने पास रख लिया था। साल 2020 में निमिषा को कोर्ट ने मौत की सजा सुनाई। अब निमिषा की सजा को राष्ट्रपति ने मंजूरी दे दी है।

भंडारे के आयोजन के पूर्व अनुमति प्राप्त करना अपरिहार्य

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि जनपद प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुम्भ-2025 में संचालित किए जाने वाले भण्डारों की अनुमति कलेक्ट्रेट प्रयागराज स्थित नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय से निर्गत की जायेगी। भण्डारों के आयोजन किए जाने हेतु यात्रियों के ठहराव स्थल (होल्डिंग एरिया) का चिन्हांकन किया गया है। भण्डारों के आयोजन हेतु आवेदन पत्र दिनांक 05.01.2025 से पूर्व नगर मजिस्ट्रेट, प्रयागराज के कार्यालय में प्रस्तुत कर अनुमति प्राप्त की जा सकती है। इस सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी नगर मजिस्ट्रेट, प्रयागराज के कार्यालय अथवा श्री संजय कुमार सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी मोबाईल संख्या-8840587851 व श्री अरविन्द कुमार तिवारी, कार्यालस सहायक मो0 सं0-7007246156 पर भी प्राप्त की जा सकती है। ज्ञातव्य हो कि भण्डारे के आयोजन के पूर्व अनुमति प्राप्त करना अपरिहार्य है। बिना अनुमति के भण्डारे का आयोजन नहीं किया जायेगा।

आधी रात से लागू होगी नई समय सारिणी, कई पैसेंजर और एक्सप्रेस ट्रेनों का बदल रहा नंबर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे की बात करें तो नई समय सारिणी में आगरा-बनारस वंदे भारत समेत कुल 15 ट्रेनों को शामिल किया जा रहा है। दूसरी ओर ओर कोरोना काल में जो ट्रेनें स्पेशल नंबर से चलाई गई थीं, उनका नंबर भी एक जनवरी से पुराना हो जाएगा। यात्रीगण कृपया ध्यान न दें... एक जनवरी 2025 से भारतीय रेलवे ट्रेनों की समयसारिणी में बदलाव करने जा रहा है। 31 दिसंबर 2024 की रात्रि 12 बजे के बाद यह समयसारिणी लागू हो जाएगी। उत्तर मध्य रेलवे की बात करें तो नई समय सारिणी में आगरा-बनारस वंदे भारत समेत कुल 15 ट्रेनों को शामिल किया जा रहा है। दूसरी ओर ओर कोरोना काल में जो ट्रेनें स्पेशल नंबर से चलाई गई थीं, उनका नंबर भी एक जनवरी से पुराना हो जाएगा। यह दो बड़े फैसले होने के चलते स्टेशनों पर लग रहे डिजिटल और साधारण बोर्ड में बदलाव होना तय है। रेलवे की पिछली समय सारिणी एक अक्तूबर 2023 से प्रभावी हुई थी। तब समय सारिणी में उसकी अवधि अक्तूबर 23 से जून 24 दर्शाई गई थी। इस हिसाब से एक जुलाई 24 को नई समय सारिणी लागू होनी थी, लेकिन वह छह माह की देरी से अब एक जनवरी 25 से लागू हो रही है। फिलहाल नई समय सारिणी में एनसीआर से गुजरने वाली कन्याकुमारी-बनारस, आगरा-बनारस, खजुराहो-निजामुद्दीन समेत 15 नई ट्रेनों को शामिल किया गया है।

मार्कशीट में विषय का पूरा नाम न होने पर हाथ से फिसली नौकरी, लगा रहे आयोग का चक्कर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने जुलाई 2023 में अंग्रेजी विषय में 79 चयनित अभ्यर्थियों का अभिलेख सत्यापन किया था। इसके बाद आयोग ने माध्यमिक शिक्षा विभाग को नियुक्ति की संस्तुति भेज दी थी। एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती-2018 की द्वितीय श्रेष्ठता सूची में अंग्रेजी विषय के चयनित अभ्यर्थियों की स्नातक की मार्कशीट में विषय का पूरा नाम अंकित न होने के कारण 45 अभ्यर्थियों की नियुक्ति फंस गई है। मार्कशीट पर विषय का नाम अंग्रेजी साहित्य होना चाहिए था लेकिन इन अभ्यर्थियों की मार्कशीट पर केवल अंग्रेजी विषय लिखा हुआ है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने जुलाई 2023 में अंग्रेजी विषय में 79 चयनित अभ्यर्थियों का अभिलेख सत्यापन किया था। इसके बाद आयोग ने माध्यमिक शिक्षा विभाग को नियुक्ति की संस्तुति भेज दी थी। डेढ़ साल बाद अब नियुक्ति के लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने ऑनलाइन विद्यालय आवंटन की प्रक्रिया शुरू की तो पता चला कि 45 अभ्यर्थियों को बाहर कर दिया गया है। दरअसल, राजकीय विद्यालयों में सहायक अध्यापक के लिए स्नातक में अंग्रेजी साहित्य विषय की अर्हता निर्धारित है। कई विश्वविद्यालय मार्कशीट में अंग्रेजी साहित्य की जगह केवल अंग्रेजी विषय लिखते हैं और इसी वजह से उन अभ्यर्थियों की नियुक्तियां फंस गईं हैं, जिन्होंने स्नातक में अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई तो की लेकिन उनकी मार्कशीट में अंग्रेजी विषय लिखा हुआ है।

महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे ने महाकुंभ मेला-2025 के संबंध में आयोजित की प्रेस वार्ता

महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, उपेन्द्र चंद्र जोशी की अध्यक्षता में महाकुंभ मेला-2025 की तैयारियों से अवगत कराने के लिए प्रयागराज मंडल कार्यालय के सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित की गयी । इस प्रेस वार्ता में महाकुंभ मेला-2025 के लिए रेलवे द्वारा की गयी तैयारियों एवं योजनाओं से अवगत कराया महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे ने प्रेस वार्ता में बताया कि रेलवे की सुविधाओं और योजनाओं से यात्री और श्रद्धालुओं को प्रचार प्रसार के माध्यम से अवगत कराया जा रहा है । श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए महाकुंभ रेल सेवा- 2025 ऐप एवं वेब पोर्टल शुरू किया गया है इसे आसनी से नेविगेट किया जा सकता है । ऐप एवं पोर्टल के माध्यम से दिशा-वार ट्रेन, मेला विशेष ट्रेन, स्टेशन पर यात्री आश्रय एवं यात्री सुविधाएँ, हेल्प लाइन नंबर एवं रेल टिकट बुक करने जैसे विविध सुविधाएं मिल सकेंगी । रेलवे ने 01 नवंबर, 2024 से टोल फ्री नंबर 1800 4199 139 जारी किया है । 01 जनवरी, 2025 से यह चौबीसों घंटे प्रति शिफ्ट चार ऑपरेटरों द्वारा संचालित किया जाएगा और मेला अवधि के दौरान उड़िया, तमिल / तेलगु, मराठी और बंग्ला जैसी भाषाओं में जानकारी उपलब्ध कराएगा । यात्रियों की सुविधा के लिए बहुभाषी उदघोषणा प्रणाली शुरू की जा रही है । बहुभाषी उदघोषणा प्रणाली के माध्यम से महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को यात्रा संबंधित जानकारियां 12 भाषाओं - हिंदी, अंग्रेज़ी, गुजराती, मराठी, तामिल, कन्नड़, तेलुगू, मलयालम, बंग्ला, उड़िया,पंजाबी एवं असमिया में उद्घोषित की जाएंगी ।महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे ने प्रेस वार्ता में बताया कि महाकुंभ -2025 के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 13000 से अधिक गाड़ियां चलायी जाएंगी । 10,000 से अधिक नियमित गाड़ियां एवं 3000 से अधिक विशेष गाड़ियों का संचालन किया जाएगा । इनमें से 1800 गाड़ियों छोटी दूरी के लिए, 700 गाड़ियां लंबी दूरी के लिए और 560 गाड़ियां रिंग रेल पर चलायी जाएंगी । प्रयागराज-प्रयाग-अयोध्या-वाराणसी-प्रयागराज; प्रयागराज संगम-प्रयाग-जौनपुर-प्रयाग-प्रयागराज संगम; गोविंदपुरी-प्रयागराज-चित्रकूट-गोविंदपुरी एवं वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-गोविंदपुरी-प्रयागराज-मानिकपुर-चित्रकूट-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मार्गों पर रिंग रेल की योजना तैयार कर ली गयी है । प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, नैनी, प्रयागराज छिवकी, प्रयाग जंक्शन, फाफामऊ, प्रयागराज रामबाग, प्रयागराज संगम और झूंसी सहित कुल 9 रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ मेला क्षेत्र में यूटीएस, एटीवीएम, एमयूटीएस, पूछताछ और पीआरएस सहित कुल 560 टिकटिंग पॉइंट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन काउंटरों से प्रतिदिन लगभग 10 लाख टिकट वितरित किए जा सकेंगे । रेलवे ने कुंभ मेल के दृष्टिगत अब अग्रिम रेलवे टिकट 15 दिन पूर्व लेने की सुविधा शुरू कर दी गयी है । महाकुंभ -2025 में श्रद्धालुओं को अविस्मरणीय अनुभव देने के लिए प्रयागराज और आसपास के क्षेत्र में आधारभूत ढांचे पर वृहत स्तर पर कार्य किया है। प्रयागराज-रामबाग के मध्य गंगापुल, फाफामऊ-जंघई दोहरीकरण, प्रयागराज जंक्शन पर नई सिग्नल प्रणाली, प्रयागराज के 9 स्टेशनों पर प्लेटफ़ार्मों की संख्या में वृद्धि करके 40 से 48 कर दिया गया है । यात्री आश्रयों की संख्या में वृद्धि करके 11 से 28 कर दिया गए है, इन आश्रयों की क्षमता बढ़कर 130,000 हो गयी है । स्टेशनों पर वाशिंग लाइन सहित वेटिंग रूम, वेटिंग हाल, स्लीपिंग पॉड, रिटायरिंग रूम, एग्ज़ीक्यूटिव लाउंज, बैटरी अपरेटेड कार, व्हील चेयर, खानपान सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा, यात्री सुविधा केंद्र, पर्यटक बूथ, प्रधानमंत्री जनऔषधि केंद्र एवं क्लाक रूम सुविधाओं को उन्नत किया गया है । प्रयागराज क्षेत्र में 438 करोड़ रुपये की लागत से 21 रोड ओवर ब्रिज एवं रोड अंडर ब्रिजों का निर्माण किया गया है । महाकुंभ -2025 अनुमानित भीड़ को देखते हुए भारतीय रेलवे के सभी हिस्सों से रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस के 18000 हजार से अधिक जवानों को ड्यूटी पर प्रयागराज लाया जा रहा है। यह सुनिश्चित किया जाएग कि किसी भी स्टेशन पर क्रॉस मूवमेंट की संभावना न हो और यात्रियों की केवल यूनी डायरेक्शनल मूवमेंट सुनिश्चित किया जाएगा। इस दौरान प्रयागराज जंक्शन पर सिटी साइड से प्रवेश एवं सिविल लाइन साइड से निकासी की व्यवस्था रहेगी ।किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए सभी स्टेशनों पर प्राथमिक उपचार बूथ स्थापित किए जा रहे हैं और रैपिड एक्शन टीमें भी बनाई गई हैं। परिवहन से संबंधित चिकित्सा सहायता देने के लिए सभी स्टेशनों पर एम्बुलेंस भी तैनात रहेंगी। प्रयागराज जंक्शन पर 06 बिस्तर वाला आबज़र्वेशन रूम बनाया गया है जो यात्रियों को मेडिकल एड देने के लिए उचित मात्रा में सभी प्रकार के उपकरण जैसे, ऑक्सीजन सिलेंडर, कनसंट्रेटर, ई सी जी मशीन, ग्लूकोमीटर, नेब्यूलाइज़र, स्ट्रेचर आदि उपलब्ध कराए गए हैं । रेलवे द्वारा सफाई के संबंध में विशेष व्यवस्था की जा रही है । इसके लिए रेलवे कोचों की सफाई के लिए 1000 से अधिक कर्मचारी तैनात किए है । इसी प्रकार स्टेशनों की साफ-सफाई के लिए लगभग 1000 से अधिक कर्मचारी तैनात किए है । यात्रियो को ठहरने के लिए यात्री आश्रयों की साफ़-सफाई के लिए अतिरिक्त सफाई कर्मचारी लगाए जाएंगे ।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड

कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है।

रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज,पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

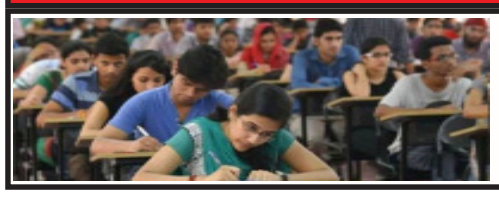

प्रदेश आस/पास

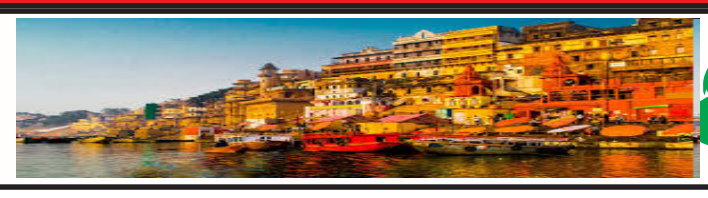

भारत

सिद्धेश्वर महादेव सेवा संस्थान महुआंव पाण्डेय की सदस्य महिलाओं ने लगाई फेरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

घोरावल सोनभद्र । सोमवार को पड़ने वाली अमावस्या को सोमवती अमावस्या कहा जाता है। सोमवार को सिद्धेश्वर महादेव सेवा संस्थान महुआंव पाण्डेय की सदस्य व अन्य महिलाओं द्वारा विधि विधान से पूजन कर पर्व मनाया। संस्थान की

अध्यक्ष नीलल द्विवेदी ने कहा कि सोमवार चंद्र देवता कों समर्पित दिन है । भगवान चंद्र को मन का कारक माना जाता है अतः इस दिन अमावस्या पड़ने का अर्थ है की यह दिन मन सम्बन्धित दोषो को दूर करने के लिए उत्तम है। वहीं आचार्य रजनीश पाण्डेय ने बताया कि हमारे शास्त्रो में चंद्रमा को ही दैहिक,दैविक और भौतिक कष्टो का कारक माना जाता है,अतः यह पूरे वर्ष में एक या दो बार ही पड़ने वाले पर्व का बहुत अधिक महत्त्व माना जाता है।विवाहित स्त्रियों के द्वारा इस दिन पतियों की दीर्घ आयु के लिये व्रत का विधान है।सोमवती अमावस्या कलयुग के कल्याणकारी पर्वो में से एक है,लेकिन सोमवती अमावस्या को अन्य अमावस्याओं से अधिक पुण्य कारक मानने के पीछे भी पौराणिक एवं शास्त्रीय कारण है।सोमवार को भगवन शिव एवं चंद्र का दिन माना जाता है।सोम यानि चन्द्रमा अमावस्या और पूर्णिमा के दिन चन्द्रमा यानि सोमांश या अमृतांश सीधे-सीधे पृथ्वी पर पड़ता है।शास्त्रो के अनुसार सोमवती अमावस्या के दिन चन्द्रमा का अमृतांश पृथ्वी पर सबसे अधिक पड़ता है।श्री पाण्डेय ने आगे कहा कि अमावस्या अमा और वस्या दो शब्दों से मिलकर बना है। शिव पुराण में इस संधि विच्छेद को भगवान् शिव ने माँ पार्वती को समझाया था।क्योंकि सोम को अमृत भी कहा जाता है अमा का अर्थ है एकत्रित करना और वास को वस्या कहा गया है।यानि जिसमे सभी वास करते हो वह अति पवित्र अमावस्या कहलाती है। यह भी कहा जाता है की सोमवती अमावस्या में भक्तो को अमृत की प्राप्ति होती है।निर्णय सिंधु व्यास के वचनानुसार इस दिन मौन रहकर स्नान-ध्यान करने से सहस्त्र गौ दान का पूण्य मिलता है।शास्त्रो के अनुसार पीपल की परिक्रमा करने में से ,सेवा पूजा करने से, पीपल की छाया से,स्पर्श करने से समस्त पापो का नाश,अक्षय लक्ष्मी की प्राप्ति होती है व आयु में वृद्धि होती है।पीपल के पूजन में दूध, दही, मिठाई,फल, फूल,जनेऊ, का जोड़ा चढाने से और घी का दीप दिखाने से भक्तो की सभी मनोकामनाये पूरी होती है। कहते है की पीपल के मूल में भगवान् विष्णु तने में शिव जी तथा अगर भाग में ब्रह्मा जी का निवास है।इसलिए सोमवार को यदि अमावस्या हो तो पीपल के पूजन से अक्षय पूण्य लाभ तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।इस दिन विवाहित स्त्रियों द्वारा पीपल के पेड़ की दूध,जल,पुष्प,अक्षत,चन्दन आदि से पूजा और पीपल के चारो और 108 बार धागा लपेट कर परिक्रमा करने का विधान होता है। और हर परिक्रमा में कोई भी मिठाई या फल चढाने से विशेष लाभ होता है।ये सभी 108 फल या मिठाई परिक्रमा के बाद ब्राह्मण या निर्धन को दान किया जाता है।इस प्रक्रिया को कम से कम 3 सोमवती तक करने से सभी समस्याओ से मुक्ति मिलती है।इस प्रदक्षिणा से पितृ दोष का भी निश्चित समाधान होता है।इस दिन जो भी स्त्री तुलसी या माँ पार्वती पर सिंदूर चढ़ा कर अपनी मांग में लगाती है वह अखंड सौभाग्यवती बनी रहती है।जिन जातको की जन्म पत्रिका में कालसर्प दोष है।वे लोग यदि सोमवती अमावस्या पर चांदी के बने नाग-नागिन की विधिवत पूजा कर उन्हें नदी में प्रवाहित करे,शिव जी पर कच्चा दूध चढाये,पीपल पर मीठा जल चढ़ा कर उसकी परिक्रमा करें,धुप दीप दिखाए,ब्राह्मणों को यथा शक्ति दान दक्षिणा दे कर उनका आशीर्वाद ग्रहण करे तो निश्चित ही काल सर्प दोष की शांति होती है।इस दिन जो लोग व्यवसाय में परेशानी उठा रहे है,वे पीपल के नीचे तिल के तेल का दिया जलाना चाहिए।इस दिन अपने पितरों के नाम से पीपल का वृक्ष लगाने से जातक को सुख, सौभग्य,पुत्र की प्राप्ति होती है,एव पारिवारिक कलेश दूर होते है। इस दिन पवित्र नदियो में स्नान, ब्राह्मण भोज, गौदान, अन्नदान, वस्त्र, स्वर्ण आदि दान का विशेष महत्त्व माना गया है इस दिन गंगा स्नान का भी विशिष्ट महत्त्व है। इस अवसर पर महुआंव पाण्डेय गांव की तमाम महिलाएं मौजूद रहीं।

ज्ञानवापी मामले में सुनवाई का कोल्ड ईयर साबित हुआ साल, आने वाले साल से उम्मीद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

काशी। ज्ञानवापी की लड़ाई को लेकर पक्षकारों ने पिछले साल में क्या किया और आगे के साल में इस मुकदमे से जुड़े किन मुद्दों पर युद्ध आगे जारी रहने वाला है ये

जानकारी महत्वपूर्ण है। नया साल आ रहा है और वर्ष 2025 को लेकर हर कोई उम्मदीजदा है। इस खास रिपोर्ट में साल 2024 में सबसे चर्चित ज्ञानवापी को लेकर क्या तस्वीर रही और इसकी लड़ाई कहां तक पहुंची और आने वाले साल से जनता को ज्ञानवापी को लेकर कितनी उम्मीद है इस पर हम जानकारी दे रहे हैं। हम जिन मुद्दों की जानकारी देंगे उनके कुछ बिंदुओं को जिक्र भी आपसे पहले करेंगे इसके साथ ही इस साल को लेकर उम्मीद क्या है ये बताएंगे। पहले कुछ बिंदुओं को जान लें फिर इससे जुड़ी खबर आपको बताएंगे।ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, और जिला अदालत में कुल 21 मामले चल रहे हैं। इन मामलों में सुनवाई जारी है लेकिन वर्ष 2024 की शुरूआत के साथ जनवरी की 31 तारीख आई और देर रात व्यास जी के तहखाने में पूजा शुरू करा दी गई। इस पर चर्चा गर्म हुई मुस्लिम समुदाय ने आपत्ति जताई है और कोर्ट में इसे लेकर सुनवाई चल रही है। वर्ष 1993 में उस वक्त की मुलायम सिंह की सरकार ने बिना किसी लिखित आदेश के तहखाने की पूजा बंद करा दी और तहखाने में प्रवेश पर रोक लगा दी। इसके बाद व्यास परिवार ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया लेकिन इन्हें काई राहत नहीं मिली। इसी बीच मामला ए के विश्वेश की अदालत में पहुंचा और जिस दिन जज रिटायर हो रहे थे उन्होंने हिंदू समुदाय को ऐसा फैसला दे दिया जिस पर ये गदगद हो गए। 1 फरवरी की सुबह व्यास जी के तहखाने में फिर से पूजा होती नजर आई। ज्ञानवापी मामले में साल 2024 तारीख पे तारीख वाला साल साबित हुआ। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी ने अमर उजाला से बातचीत में कहा कि ये साल तारीख वाला साल रहा क्योंकि हमने कुल तीस से ज्यादा तारीखों पर अपनी हाजिरी लगाई और फिर से अगली तारीख मिल गई। तहखाने में पूजा की शुरूआत के बाद राखी सिंह ने कोर्ट में अपील कर दस अन्य तहखानों के सर्वे की गुहार लगाई। इस दौरान सुनवाई तो हुई लेकिन इस मामले में भी तारीख पड़ती नजर आई। इसके साथ ही किरण सिंह और संतोष सिंह की ओर से 712 मूल मुकदमें को ट्रायल कोर्ट में ले जाने की अपील की गई। इस पर तारीख पड़ रही है।सुनवाई के तौर पर तारीखों वाले साल के जाने के साथ अब इस मुकदमें से जुड़े लोग इस उम्मीद में हैं कि आने वाला साल इनके द्वारा दी गई याचिकाओं पर विचार करके अपना निर्णय जरूर सुनाएगा। इसे लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने कमर भी कसी है और मामले में तेजी आएगी ऐसी उम्मीद की जा रही है। अब हिन्दू पक्ष ने ज्ञानवापी से जुड़े 15 मामलों की सुनवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट में एकसाथ कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। याचिका पर आदेश आना बाकी है। हिंदू पक्ष का कहना है कि ज्ञानवापी से संबंधित ज्यादातर मुकदमें एक ही प्रकृति के हैं। इसलिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में उनकी सुनवाई एकसाथ नियमित हो ।

टूटे स्प्रिंग के सहारे दौड़ गई नेताजी एक्सप्रेस, ऐसे पता चली गड़बड़ी; बदला गया कोच

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। पीडीडीयू जंक्शन पर नियमित जांच के दौरान यह गड़बड़ी मिलने पर अफसरों में खलबली मच गई। कोच को काटकर अलग करने के साथ यात्रियों को दूसरे कोच में

बिठाकर आगे रवाना किया गया। तीन घंटे देरी हो जाने से यात्रियों ने भी अपनी नाराजगी जताई।हावड़ा से कालका जा रही अप नेताजी एक्सप्रेस के एसी कोच के पहिए के पास लगा स्प्रिंग टूट गया। पीडीडीयू जंक्शन पर जांच के दौरान इसका पता चला। यहां इस कोच को काट कर अलग किया गया। इसके बाद ट्रेन आगे को रवाना हुई। इस दौरान मंगलवार की सुबह ट्रेन तीन घंटे तक पीडीडीयू जंक्शन पर रुकी रही। हावड़ा से कालका जा रही अप नेताजी एक्सप्रेस मंगलवार की सुबह आठ बजे पीडीडीयू जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या सात पर पहुंची। ट्रेन की नियमित जांच के दौरान एसी कोच बी 4 के यात्रियों ने बताया कि चलते समय झटका महसूस हो रहा था। इस पर जब कोच के पहिए के पास जांच की गई तो स्प्रिंग टूटा मिला।टूटे स्प्रिंग के सहारे ट्रेन यहां तक पहुंची थी। कैरेज विभाग ने इसकी सूचना कंट्रोल को दी। कोच के स्प्रिंग टूटे होने की सूचना पर विभाग में खलबली मच गई स्टेशन अधीक्षक एसके सिंह, डीएमइ विनय कुमार, एचआई अभिषेक कुमार, हेल्थ इंस्पेक्टर अक्षय कुमार के साथ आरपीएफ और जीआरपी पहुंच गई। सूचना पाकर एडीआरएम और वाणिज्य विभाग के अधिकारी भी पहुंचे।बाद में बी 4 कोच के यात्रियों को दूसरे कोच में बैठाया गया और इस कोच को काट कर अलग किया गया। इसके बाद 11 बजे ट्रेन आगे के लिए रवाना हुई। इसके बाद अधिकारियों ने राहत की सांस ली। वहीं ट्रेन के तीन घंटे तक खड़ी रहने पर यात्रियों में नाराजगी दिखी।

सोनभद्र के दो युवकों की भी हुई थी मौत, शव पहुंचते ही मचा कोहराम; बिलख पड़े मासूम बच्चे

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र । गुजरात के भरूच जिले के दाहेज इलाके में स्थित एक रासायनिक संयंत्र (केमिकल प्लांट)

में गैस रिसाव की चपेट में आकर चार श्रमिकों की मौत हो गई थी। प्लांट में गैस का रिसाव बीती रात करीब 10 बजे हुआ था, जिसकी चपेट में आए चार कर्मचारियों की रविवार को अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई थी।गुजरात के भरूच स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में बीती रात जहरीली गैस रिसाव से कोन कस्बे के दो युवकों की मौत हो गई थी। मंगलवार की सुबह जब दोनों के शव उनके गांव पहुंचे तो परिवार में कोहराम मच गया। पूरे गांव में शोक व्याप्त है।कोन कस्बे के सुचित कुमार (40) पुत्र सुग्रीव कन्नौजिया और महेश कुमार (22) पुत्र नंदलाल गुप्ता अपने दोस्तों के साथ काम की तलाश में गुजरात गए थे। वहां वे भरूच की एक केमिकल फैक्ट्री में काम कर रहे थे। शनिवार रात नाइट ड्यूटी के दौरान फैक्ट्री में जहरीली गैस का रिसाव हुआ, जिससे दोनों बेहोश हो गए। कंपनी ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।सुचित के तीन छोटे बच्चे हैं। इसमें दो बेटे और एक बेटी है। वहीं, महेश अविवाहित था। दोनों युवकों के घर पास-पास स्थित होने के कारण पूरे इलाके में मातम छा गया। कंपनी ने तत्काल दाह-संस्कार के लिए परिजनों को बीस हजार रुपये की सहायता दी है। इसके साथ ही 15 दिनों के भीतर मृतकों के परिवार को 30-30 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का आश्वासन दिया गया है। इस हादसे में कुल चार युवकों की मौत हुई है, जिनमें से दो कोन कस्बे के और दो झारखंड के रहने वाले थे।

काशी में खुले में बेचे जा रहे मांस, महाकुंभ के दौरान उमड़ेगा जनसैलाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। काशी में महाकुंभ के दौरान करोड़ों की संख्या में भक्तों के आवागमन का अनुमाल लगाया गया है। बावजूद इसके यहां पर खुले में मांस बिक्री पर प्रतिबंध नहीं लगाया जा सका है। तमाम प्रयास के बाद भी खुले में मांस बिक्री पर नगर निगम प्रतिबंध नहीं लगा पा रहा है। हाल ही में मेयर अशोक कुमार तिवारी ने पशु चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष पॉल को आदेश दिया था कि नगर निगम सीमा में कहीं भी खुले में मांस की बिक्री न होने पाए। बावजूद इसके मेयर का आदेश बेअसर साबित हो रहा है।पिछले दिनों सदन की ओर से प्रस्ताव पास किया गया था कि शहर में खुले में मांस की बिक्री न होने पाए। इसके लिए प्रभावी कदम उठाने को कहा गया था। जिसके बाद नगर निगम ने अभियान चलाकर कई दुकानों को बंद कराया था। मांस कारोबारियों ने व्यापार का हवाला देकर हरा पर्दा लगाकर मांस की बिक्री करने के लिए हामी भरी थी। फिर से पुराने ढर्रे पर खुले में मांस बिक्री की जा रही है। महाकुंभ के दौरान लाखों श्रद्धालुओं का आगमन जनवरी में शुरू हो जाएगा। ऐसे में सड़क किनारे खुले में मांस बेचने से उनकी आस्था प्रभावित होगी। पशु चिकित्साधिकारी ने कहा कि अभियान चलाकर हरा पर्दा लगवाया जा रहा है। शहर के सभी मांस कारोबारियों को हिदायत दी गई है।

रायबरेली विकास प्राधिकरण, रायबरेली सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक ने नीचे सारणी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति, जो प्राधिकरण की इन्दिरा नगर विस्तार योजना के अन्तर्गत स्थित है का अंतरण/नामांतरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है:-

क्रम संख्या	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड/भवन /फ्लैट संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम (पिता/पति का नाम सहित)	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	अन्तरण/नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत/पूर्ण स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1	श्री आनन्द कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्व0 विजय बहादुर श्रीवास्तव निवासी गुलाब रोड, रायबरेली	भवन संख्या एल0आई0जी0 –439	इन्दिरा नगर विस्तार योजना	श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव पत्नी स्व0 आनन्द कुमार श्रीवास्तव	एल0आई0जी0 –439 इन्दिरा नगर, रायबरेली	मृत्यू उपरान्त नामान्तरण	पूर्ण स्वामित्व यूक्त सम्पत्ति

यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भवन/भूखण्ड के अन्तरण/नामान्तरण के विरुद्ध कोई आपत्ति हो, तो वह अपनी आपत्तियां सहायक दस्तावेजों सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर सचिव, रायबरेली विकास प्राधिकरण, रायबरेली को प्रस्तुत कर सकता/सकती है अन्यथा स्तम्भ-5 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का अंतरण/नामान्तरण प्राधिकरण के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चातवर्ती दावा, यदि कोई हो, ग्रहण नही किया जायेगा।

सचिव
रायबरेली विकास प्राधिकरण
रायबरेली।

पॉपुलर सिटी काशी में उमड़े लाखों पर्यटक, गंगा घाट से लेकर विश्वनाथ धाम तक सुरक्षा दुरुस्त; बैरिकेडिंग

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। वाराणसी शहर में किसी भी सूरत में कहीं जाम न लगने पाए, इसके लिए पुलिस अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। उधर, डीसीपी वरुणा जोन चंद्रकांत मीना ने बताया कि नव वर्ष के पहले दिन छावनी क्षेत्र और सारनाथ में भी सैलानियों की सुरक्षा और निगरानी के मद्देनजर विशेष प्रबंध रहेंगे। नए साल से ठीक एक दिन पहले पॉपुलर सिटी काशी में पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। गंगा घाटों से लेकर सारनाथ, काशी विश्वनाथ मंदिर, मार्कंडेय धाम सहित विभिन्न मंदिरों में भक्तों की भीड़ देखी जा रही है। वहीं, प्रशासन ने जाम की स्थिति को देखते हुए शहर को कई सेक्टर में बांट दिया है।डीसीपी काशी जोन गौरव बंसवाल ने कहा कि काशी विश्वनाथ मंदिर, अस्सी घाट, गंगा घाट पर पुलिसकर्मियों को तैनात कर दिया गया है। सुरक्षा के सारे पुख्ता इंतजाम कर दिए गए हैं। वहीं, संदिग्ध लोगों पर भी निगरानी की जा रही है। नए साल में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए श्री काशी विश्वनाथ धाम परिक्षेत्र को पांच सेक्टर में बांटा गया है। 45 ड्यूटी पॉइंट भी बनाए गए हैं। ड्यूटी पॉइंट पर तैनात पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं की सहूलियत का भी ध्यान रखेंगे डीसीपी काशी जोन ने बताया कि कालभैरव मंदिर के इर्द-गिर्द 11 ड्यूटी पॉइंट बनाए गए हैं। संकटमोचन मंदिर के आसपास आठ ड्यूटी पॉइंट्स बने हैं। अस्सी घाट पर अस्सी चौकी और बीएचयू कैंपस स्थित विश्वनाथ मंदिर पर लंका थाने की पुलिस तैनात रहेगी। गंगा के आसपास जल पुलिस, पीएसी, बाढ़ राहत दल और 11 एनडीआरएफ के जवान तैनात रहेंगे। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए शहर में 12 क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) तैनात रहेंगी। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को बाबा की चारों प्रहर की आरती, रुद्राभिषेक और सुगम दर्शन के लिए मशक्कत करनी पड़ेगी। बाबा की सभी आरती और रुद्राभिषेक की बुकिंग 27 जनवरी तक फुल हो चुकी है। सुगम दर्शन के टिकट के स्लॉट भी चार जनवरी तक ऑनलाइन बुक हो गए हैं। विश्वनाथ धाम बनने के बाद यह पहला मौका होगा, जब चारों प्रहर की आरती, सुगम दर्शन और रुद्राभिषेक की बुकिंग महीने भर के लिए फुल हुई है। 31 दिसंबर से दो जनवरी तक सभी टिकटों की बुकिंग पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। बाबा विश्वनाथ की मंगला आरती, मध्याह्न भोग आरती, सप्तर्षि आरती और श्रृंगार भोग आरती के ऑनलाइन टिकट भी नहीं मिल रहे हैं। अभिषेक और सुगम दर्शन के टिकटों की बुकिंग भी बंद हो गई है। श्री काशी विश्वनाथ धाम में दिसंबर के अंतिम सप्ताह में श्रद्धालुओं की भीड़ का दबाव अचानक बढ़ा है। 21 दिसंबर को धाम में 1.80 लाख, 22 दिसंबर को दो लाख से अधिक, 23 दिसंबर को डेढ़ लाख, 24 दिसंबर को 1.75 लाख और 25 दिसंबर को 1.90 लाख, 26 को ढाई लाख से अधिक और 27 को 2.70 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए थे। वर्ष के अंतिम दिन और नए साल पर श्रद्धालुओं की संख्या छह से सात लाख होने का अनुमान है।

सोनभद्र, मिर्जापुर

जिलाधिकारी ने हिन्दुआरी में फार्मर रजिस्ट्री बनाने के लिए लगाये गये कैम्प का किये स्थलीय निरीक्षण, सम्बन्धित को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने आज फार्मर रजिस्ट्री बनाने

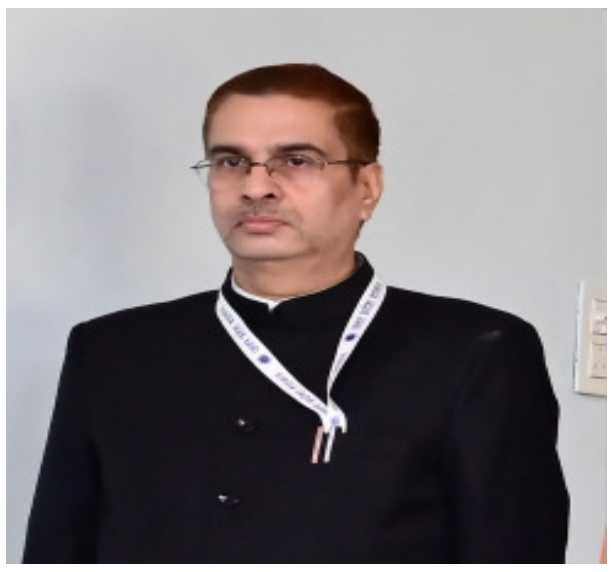

के लिए जनपद के विभिन्न स्थानों पर लगाये गये कैम्प के स्थिति का जायजा लिये, इस दौरान जिलाधिकारी ने भ्रमणशील रहकर फार्मर रजिस्ट्री कैम्प हिन्दुआरी का औचक निरीक्षण किये। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मौके पर उपस्थित किसानों व कार्मिकों से वार्ता कर फार्मर रजिस्ट्री बनाने के कार्य के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त किये, तो कार्मिकों द्वारा बताया गया कि किसानों का डाटा पोर्टल पर फीड करने के दौरान सर्वर की समस्या आ रही है। जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धितों को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी किसान कैम्प पर प्रपत्र लेकर आ रहे हैं, उन्हें लौटाया न जाये। किसान के फेस का फोटो व फार्मर रजिस्ट्री बनाने के प्रपत्र को इकट्ठा कर लिया जाये, पोर्टल सर्वर ठीक होते ही फार्मर रजिस्ट्री बनाने का कार्य शुरू कर दिया जाये, कैम्प में आने वाले किसानों को यह भी सूचित किया जाये कि आपका फार्म भरा जायेगा, ओ0टी0पी0 के लिए फोन को पास रखें, सम्बन्धित कार्मिकों द्वारा ओ0टी0पी0 मांगने पर उपलब्ध कराया जाये, जिससे फार्मर रजिस्ट्री बनाने का कार्य सफलता पूर्वक किया जा सके। कैम्प में आने वाले किसानों को इस बात की जानकारी दी जाये कि फार्मर रजिस्ट्री बनाने में लगने वाले प्रपत्र जैसे आधार, खतौनी लाना अनिवार्य होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को फार्मर रजिस्ट्री बनाने से होने वाले लाभ जैसे-किसान सम्मान निधि, कई स्थानों की जमीनों का डाटा इकट्ठा होना, एग्री स्टेट के अन्तर्गत के0सी0सी0 लोन लेने में सुविधा होना, फसली ऋण का लाभ, फसली बीमा क्षतिपूर्ति व आपदा राहत में सुगमता आदि की भी जानकारी दी जाये। जिलाधिकारी ने कार्मिकों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों का फार्मर रजिस्ट्री बनाने हेतु प्रपत्रों को एकत्रित कर लिया जाये। जैसे ही सर्वर ठीक हो जाये, प्राथमिकता के आधार पर कार्य को करने का प्रयास किया जाये, जिससे ज्यादा से ज्यादा किसानों का फार्मर रजिस्ट्री बनाने का कार्य किया जा सकें। इस मौके पर को-आपरेटीव देवेन्द्र कुमार सिंह, लेखपाल उमाशंकर, टी0ए0सी0 विकास प्रताप सिंह, पंचायत सहायक पूनम सहित अन्य किसानगण उपस्थित रहें।

अंकुर सिंह बने भाजपा करमा मंडल अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

करमा सोनभद्र। भाजपा मण्डल के मंडल अध्यक्ष का चुनाव गहमा गहमी के बीच समापन्न हुआ.अंकुर सिंह को पार्टी स्तर

से करमा मण्डल अध्यक्ष चुना गया। जिला भाजपा कार्यालय जारी विज्ञाप्ति के बाद चर्चाओ पर विराम लग. युवा कर्मठ जुझारू नेता को पाकर करमा मंडल मे काफी उत्साह देखा जा रहा है. बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है. इस दौरान उन्होंने अपने आवास पर मंडल कार्यकर्त्ता से कहा की पार्टी ने हमें जो जिम्मेदारी दी है. उसे निर्वाहन करना हमारे प्राथमिकता में रहेगी। सबका साथ, सबका विकास के तहत सर्व समाज को लेकर चलना हमारे हमारे प्राथमिकता में रहेगा। हम सभी को मिलकर जमीनी स्तर पर कार्य करना होगा। किसी भी धर्म, समाज, का शोषण कत्तई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वयं संघ राष्ट्रीय मुस्लिम मंच सोनभद्र के जिला सह संयोजक वकील अहमद खान ने कहा है भारतीय जनता पार्टी ने युवा जोश से लबरेज, मृदुल भाषी, मिलनसार, कर्मठी, सबके दुःख सुख में शामिल होने वाले युवा नेता अंकुर सिंह को करमा मण्डल का मण्डल अध्यक्ष बनने पर क्षेत्रीय लोगों में हर्ष व्याप्त हैं।

भगवती सीता की खोज में हनुमान जी पहुंचे लंका

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। नगर के आटीएस क्लब मैदान में चल रहे श्री राम चरित मानस नवाह पाठ महायज्ञ के सातवे दिन श्री राम दरबार का भव्य श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात मंचासीन आचार्यों एवं भक्तों गणों ने दिव्य

आरती उतारी तत्पश्चात मुख्य यजमान सत्यपाल जैन ने सह पत्नी रजनी जैन के साथ रुद्राभिषेक किया। एबतादें कि सातवें दिन की कथा सुंदरकांड पर आधारित थी जिसमें हनुमानजी का लंका को प्रस्थान, सुरसा मान जी के बल बुद्धि की परीक्षा,छाया पकड़ने वाली राक्षसी का वर्णन, लंकिनी पर प्रहार, लंका में प्रवेश, हनुमान विभीषण संवाद, हनुमान जी का अशोक वाटिका में सीता को देखकर दुखी होना और रावण का सीता को भय दिखाना, सीता - हनुमान संवाद, हनुमान, जी द्वारा अशोक वाटिका विध्वंस अक्षय कुमार का वध और मेघनाथ हनुमान जी को नागपाश में बांध कर सभा में ले जाना, हनुमान रावण संवाद, लंका दहन आदि प्रसंगों का पाठ किया गया। वहीं सुंदरकांड महिला मंडल की सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से सुंदरकांड का पाठ किया गया। दोहे पर प्रकाश डालते हुए मुख्य व्यास आचार्य सूर्य लाल मिश्र ने कहा कि- गोस्वामी तुलसीदास कृत श्रीरामचरितमानस में सुंदरकांड एक महत्वपूर्ण कांड है। हनुमान रावण संवाद, लंका दहन आदि महत्वपूर्ण दोहो पर प्रकाश डालते हुए कहा की- गोस्वामी तुलसीदास कृत श्री रामचरितमानस में सुंदरकांड एक महत्वपूर्ण कांड हैं जहां पर सभी राम भक्तों की आस्था और विश्वास की झलक उनके कृत्यो से मिलती है, जिसमें राम भक्त हनुमान का प्रमुख स्थान है। जामवंत के कहने पर हनुमानजी को उन्हें अपना बल याद आया और वे हृदय में श्री रघुनाथ जी को धारण कर हर्षित होकर लंका की ओर प्रस्थान किए। श्री हनुमान जी की बुद्धि बल की परीक्षा लेने के लिए देवताओं ने सुरसा नामकओल्गा सर्पों की माता को भेजा सुरसा की परीक्षा में सफल रहे। और उसने आशीर्वाद देते हुए कहाराम काजु सबु करहु तुम्ह बल बुद्धि निधान आशीष देई गई सो हरसी चले वह हनुमान।। सुरसा के आशीर्वाद से हर्षित होकर हनुमानजी लंका की और प्रस्थान किये और लंका में अपनी वीरता का प्रदर्शन करते हुए वे माता का दर्शन कर उनसे उनका संदेश चूड़ामण लेकर समुद्र पार करके वापस आ गए। वही इसके एक दिन पूर्व रात्रि प्रवचन में कथा व्यास नीरज भईया ने भरत द्वारा राम जी को अयोध्या वापस लाने के हर्ट को प्रकाशित करते हुए बताया कि दो प्रेमियों के बीच निर्णय कोई दे नहीं रहा है मुख्य वशिष्ठ वह साथ ही परिवार समाज की कोई भी सदस्य निर्णय देने में असमर्थ है। तब राजा जनक ने निर्णय सुनाते हुए कहा कि भरत क्या आपने कभी अपने प्रेमी रामजी की इच्छा पूछी कि वह क्या चाहते हैं तब भारत ने राम जी की आज्ञा से सिर पर खड़ा हूं रखकर अयोध्या में 14 वर्ष तक राज्य का संचालन किया। आगे उन्होंने ने दोहे का वर्णन करते हुए कहा कि सुपनखा रावण के बहिनी। दुष्ट हृदय दारुण दुख अहिनी ।। अर्थात बताया कि सुपुर नखा रावण की बहन थी। अर्थात सुपनखा रावण की बहन थी तथा दुष्ट हृदय की सर्वोपणी थी। इस अवसर पर इंद्रदेव देव सिंह, रवींद्र पाठक, दुर्गा परशुराम, , सुशील पाठक, शिशु तिवारी, किशोर केडिया, अंशुमान पटेल, धर्मवीर तिवारी, राजेश जयसवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहें।

भाजपा के जिले के 18 मंडल पदाधिकारी की हुई घोषणा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। (काशी क्षेत्र) भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर एवं प्रदेश चुनाव अधिकारी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय व चुनाव पर्यवेक्षक सोनभद्र गोविन्द नारायण शुक्ला के संस्तुति पर घोषित किया गया है। नोटः- **कुल मण्डल अध्यक्षों का जाति/वर्गवार विवरण** 1.कुल सामान्य वर्ग- 07 2कुल पिछडा/अति पिछड़ा वर्ग- 10 3.कुल अनु0 जाति- 01 4.कुल अनु0 जनजाति- 02 **जिला**

जिला चुनाव अधिकारी अवधेश श्रीवास्तव द्वारा जनपद सोनभद्र के नव निर्वाचित सभी मंडल अध्यक्षों व जिला प्रतिनिधियों के उज्ज्वल भविष्य व यशस्वी कार्यकाल की शुभकामनाओं के साथ घोषणा की जाती है, जो निम्नवत है-मण्डल अध्यक्षगण-1.मण्डल घोरावल सीमा गुप्ता (उमर/वैश्य) 2. शिवद्वार विमलेश चौबे, 3. शाहगंज मनीष सिंह पटेल, 4. गौरीशंकर रामबली मौर्या, 5. करमा आशुतोष सिंह अंकुर, 6. मधुपुर विजय चौहान, 7. राबर्ट्सगंज नगर विनय श्रीवास्तव, 8. चुर्क दिलिप कुमार चौबे, 9. चतरा योगेन्द्र बिन्द, 10. नगवां लच्छन देव खरवार, 11. कोन रामलाल चेरो, 12. डाला संदीप सिंह पटेल, 13. ओबरा शिवनाथ जायसवाल, 14. चोपन भगवानदास संजय केशरी, 15. रेनुकुट हरीराम छवि शाह, 16. अनपरा प्रमोद कुमार शुक्ला, 17. दुद्धी दीपक शाह, 18. बभनी लालकेश कुशवाहा, 19. विण्ढमगंज विरेन्द्र कुमार चौधरी, 20. शक्तिनगर देवेन्द्र गुप्ता को निम्नलिखित मण्डलों का अध्यक्ष **प्रतिनिधिगण**-1.मण्डल घोरावल सुबाश पटेल, 2. शिवद्वार दुर्गा पाल, 3. शाहगंज दिलिप कुमार मौर्या, 4. गौरीशंकर विजय सिंह गोंड, 5. मधुपुर सुनिल पटेल, 6. करमा धर्मेन्द्र शर्मा, 7. राबर्ट्सगंज अंशू अग्रहरी, 8. चुर्क रमेश पासवान, 9. चतरा राजबहादुर सिंह, 10. नगवा महेश पटेल, 11. डाला मनोज कुमार निषाद, 12. कोन विद्यानन्द तिवारी, 13. ओबरा सतीष पाण्डेय, 14. चोपन सुनिल सिंह, 15. रेनुकुट प्रेमशंकर रावत, 16. अनपरा अभिषेक विश्वकर्मा, 17. दुद्धी मनोज सिंह, 18. बभनी प्रमोद दूबे, 19. विण्ढमगंज शेषमणी चौबे, 20 शक्तिनगर प्रशान्त श्रीवास्तव जी को जिला प्रतिनिधि के रुप में घोषित किया गया।कुल जिला प्रतिनिधिगणों का जाति/वर्गवार विवरण1.कुल सामान्य वर्ग- 092.कुल पिछडा/अति पिछड़ा वर्ग- 83.कुल अनु0 जाति- 024.कुल अनु0 जनजाति- 1भाजपा सोनभद्र जिलाध्यक्ष नन्द लाल व भाजपा संगठन द्वारा आप सभी को यशस्वी कार्यकाल एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हार्दिक बधाई।

एसपी ने जनता दर्शन में आए फरियादियों की सुनी समस्या

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

प्रतिदिन की भांति की जा रही जनसुनवाई के क्रम में सोमवार को अशोक कुमार मीणा, पुलिस अधीक्षक द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को आदेशित किया गया। महोदय द्वारा सभी थाना प्रभारियों को सचेत किया गया कि जनसुनवाई/महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाये ताकि पीड़ित/शिकायतकर्ता को अनावश्यक रूप से अपने थाने से पुलिस कार्यालय आने की आवश्यकता न हो। साथ ही निर्देशित किया गया कि जिस समस्या का समाधान थाना स्तर से हो सकता है उनका समाधान थाना स्तर पर ही समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराना सुनिश्चित करें। इसी क्रम में जनपद के समस्त राजपत्रित अधिकारीगण व थाना प्रभारियों द्वारा कार्यालय/थाना पर जनसुनवाई करते हुए प्राप्त जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराया जा रहा है।

अष्टम जनपद स्तरीय कहानी सुनाओ प्रतियोगिता संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। सोमवार को जनपद के परिषदीय प्राथमिक एवम् उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए अयोजित राज्य स्तरीय अष्टम कहानी सुनाओ प्रतियोगिता का प्रथम चरण जिले स्तर पर सोमवार को डायट प्राचार्य मुकुल आनंद पांडेय के संरक्षण व मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न ब्लाकों के एक दर्जन शिक्षकों ने प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्तर के लिए प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के नोडल प्रभारी डाद अरमा देवी व

मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में प्रवक्ता नीरज शर्मा व राजवुमार रहे। प्रतिभाग करने वाले शिक्षकों में डाद बृजेश महादेव, कमलेश कुमार गुप्त, शक्ति सिंह, सुमन सिंह, गायत्री त्रिपाठी, पूजा पांडेय, आदि रहे।

सर्वे गांव के किसानों को भी मिले किसान सम्मान निधि का लाभ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

दुद्धी, सोनभद्र।, ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट ने दुध्दी तहसील के सर्वे में शामिल गांव के किसानों को भी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि

का लाभ प्रदान किए जाने की मांग को लेकर आज तहसीलदार ज्ञानेंद्र कुमार को ज्ञापन दिया। इस अवसर पर तहसीलदार ने एआईपीएफ प्रतिनिधि मंडल को आश्वस्त किया कि सर्वे गांव के किसान वंचित नहीं होंगे और इस संबंध में कार्रवाई की जा रही है। अपने ज्ञापन में और एआईपीएफ नेताओं ने कहा कि दुध्दी तहसील में कई गांव अभी भी सर्वे सेटेलमेंट प्रक्रिया के अधीन है और यहां की खतौनी सर्वे कार्यालय से प्राप्त होती है। इस खतौनी पर पंजीकरण संख्या दर्ज नहीं है। परिणामस्वरूप वहां के किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से वंचित हो जा रहे हैं। ज्ञापन में कहा गया कि किसान सम्मान निधि के लिए कराए जा रहे ऑनलाइन पंजीकरण में खतौनी की संख्या अनिवार्य है। यह भी कहा कि 31 दिसंबर तक ही ऑनलाइन पंजीकरण होगा। ऐसी स्थिति में बिना पंजीकृत संख्या की खतौनी से कंप्यूटर में ऐसे किसानों की ऑनलाइन फीडिंग नहीं हो पा रही है। तत्काल प्रशासन को इस पर पहल करनी चाहिए और सर्वे के अधीन आए हुए गांव के किसानों को इस सम्मान निधि का लाभ प्रदान करना चाहिए। नेताओं ने मांग की कि इसके लिए पंजीकरण तिथि को भी आगे बढ़ाया जाना चाहिए। प्रतिनिधिमंडल में एआईपीएफ के जिला संयोजक कृपा शंकर पनिका, मजदूर किसान मंच के जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद गोंड, जिला प्रवक्ता मंगरु प्रसाद श्याम, मनोहर गोंड, रामविचार गोंड, बृज मोहन गोंड आदि शामिल रहे।

जामवंती पाण्डेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में मड़िहान की टीम बनी विजेता

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। जिले के घोरावल तहसील क्षेत्र के महुआंव पांडेय ग्राम पंचायत में आयोजित स्व. जामवंती पांडेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता

2024 में रविवार को हुए फाइनल मुकाबला हुआ। प्रतियोगिता में मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही और मध्यप्रदेश की 30 टीमों ने प्रतिभाग किया। रविवार को हुए फाइनल मैच में पहले टॉस जीतकर महुआंव पांडेय ने पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी मड़िहान की टीम के खिलाड़ियों ने निर्धारित 12 ओवरों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 143 रन बनाए। जवाब में उतरी जामवंती पांडेय स्पोर्टिंग क्लब महुआंव पांडेय की पूरी टीम 10 ओवरों में ही 60 रन पर आल आउट हो गयी। इस मैच के मैन ऑफ द मैच मड़िहान टीम के गोलू कुमार रहे, जिन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 51 रनों की लाजवाब पारी खेली। मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार महुआंव पांडेय के गोलू द्विवेदी रहे, जिन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। सर्व प्रथम अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ विधि विधान से आचार्य नारायण धर पवन धर शिवम् धर सहित अन्य आचार्य गण द्वारा माला फूल शंखनाद व मंत्रोच्चार से किया गया। इसके बाद केक व फीता काटा गया। इसके बाद खिलाड़ियों से परिचय अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के आयोजक चन्द्र शेखर पाण्डेय द्वारा माल्यार्पण अंगवस्त्र स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इसके साथ अध्यक्ष द्वारा नकद पुरस्कार भी दिया गया।मुख्य अतिथि पूर्वांचल विकास बोर्ड के सदस्य विजय विक्रम सिंह और स्व जामवंती पांडेय स्पोर्ट्स क्लब के अध्यक्ष चंद्रशेखर पांडेय ने विजेता टीम मड़िहान को ट्रॉफी व 25000 रूपए और उपविजेता टीम महुआंव पांडेय को ट्रॉफी व 15000 रूपए का नगद पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विनोद कुमार पांडेय और विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक रमेशचंद्र दुबे राजेश द्विवेदी दीपक केशरवानी अखिलेश तिवारी चारू द्विवेदी सीओ सदर डाला सीमेंट के प्रबंधक देवेन्द्र कुमार तिवारी बीडीओ कोन जितेन्द्र नाथ दूबे ने मैन ऑफ द सीरीज गोलू द्विवेदी को पुरस्कार स्वरूप रेंजर साईकल व शील्ड प्रदान किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने खेल को जीवन का अनिवार्य हिस्सा बताते हुए कहा कि गांवों में इस तरह के खेल प्रतियोगिता से ग्रामीण युवकों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए अवसर मिलता है और उनके खेल को और बेहतर करने में मदद मिलता है। इस मौके पर तहसील अधिवक्ता समिति के पूर्व अध्यक्ष रामअनुजधर द्विवेदी, रामजी, कृष्णधर, सुरेश, रजनीश पांडेय, सुशील, मयंक बाजपेयी, राधेश्याम सिंह राजेश , मनोज मिश्र देवेन्द्र पाण्डेय विवेकानंद मिश्र सत्य देव इत्यादि मौजूद रहे।

शशांक मिश्रा प्रदेश सहमंत्री एवं मनमोहन निषाद बनाए गए प्रदेश संयोजक व अन्य को प्रदेश कार्यकारिणी की जिम्मेदारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। दिनांक 25 से 28 दिसंबर 2024 तक बुंशभवनपुर (सुल्तानपुर) में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रांत का चार दिवसीय 64 वाँ प्रांतीय अधिवेशन संपन्न हुआ।जिसमें विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया एवं चार प्रस्ताव पारित किए गए। अंतिम दिवस नवीन घोषणाएं की गई जिसमें प्रदेश अध्यक्ष डॉ सुचिता त्रिपाठी ने रॉबर्ट्सगंज के निवासी शशांक मिश्रा को प्रदेश सहमंत्री एवं मनमोहन निषाद को प्रदेश जनजातीय कार्य संयोजक व अमन जायसवाल को खेलो भारत गतिविधि का सह संयोजक घोषित किया। पूर्व में शशांक मिश्रा लगातार 4 बार से विभाग संयोजक, सेवार्थ विद्यार्थी के प्रांत संयोजक व मनमोहन निषाद ने जिला सह संयोजक के दायित्व का निर्वहन किया है बताते चलें कि सत्र 2024 25 की नवीन कार्यकारिणी में आपको सोनभद्र जिला से प्रदेश कार्य समिति सदस्य के अनमोल सोनी व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शिखर सोनी, विश्वजीत साहनी, सत्यम शुक्ल को मनोनीत किया गया है।सभी कार्यकर्ताओं के मनोनयन से जिला के कार्यकर्ताओं ने हर्ष जताया है।

डा. एच पी सिंह क्रिकेट एकेडमी टीम के तरफ से ऑलराउंडर प्रदर्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ 2024.25 के सोमवार को पांचवे दिन क्रिकेट मैच का पहला मुकाबला डा0 प्ज् सिंह क्रिकेट एकेडमी और 11 वारियर्स के बीच,थाना प्रभारी रॉबर्ट्सगंज , सत्येंद्र राय के द्वारा टॉस करा कर मैच का शुभारंभ किया गया ,11 वारियर्स टीम ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 15 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 97 रन ही बना सकी , डा0प्ज् शिंह टीम की तरफ से शानदार गेंदबाजी करते हुए अंशु चौबे व प्रियांशु चौबे ने अपने 3 ओवर के स्पेल में तीन,तीन विकेट चटकाए,जवाब में डा0 प्ज् सिंह की टीम ने स्कोर का पीछा करते हुए मात्र 13.3 ओवर में ही 6 विकेट से मैच को जीत लिया, डा0 प्ज् सिंह क्रिकेट एकेडमी की तरफ से प्रदीप चौबे ने 11 गेंद का सामना करते हुए 17 रन और प्रियांशु चौबे ने ऑलराउंडर प्रदर्शन करते हुए 10 गेंदों पे 31 रनों की पारी खेल कर टीम को जीत दिलाई, डा0 प्ज् सिंह क्रिकेट एकेडमी टीम के तरफ से ऑलराउंडर प्रदर्शन करने वाले प्रियांशु चौबे को ,भाजपा के पूर्व श्ण्ु केदार नाथ सिंह के द्वारा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया दिया गया।। सदर विधायक भूपेश चौबे रमेश मिश्रा,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अमरेश पटेल, अनूप तिवारी आदि मौजूद रहे।

जनसुनवाई : लाइट व सफाई पर विशेष दिए जाएं जोर,, रूबी प्रशाद

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों

में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में रूबी प्रसाद अध्य नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 5, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 3, नगर पंचायत चोपन में 3, नगर पंचायत ओबरा में 2, नगर पंचायत रेनुकूट में 0, नगर पंचायत पिपरी में 3, नगर पंचायत दुद्धी में 4, नगर पंचायत डाला बाजार में 1. नगर पंचायत अनपरा में 3, समस्त निकायों को मिलाकर कुल 25 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। इस दौरान जेई मनीष कुमार, सभासद मनोज चौबे,अनवर खा, अजीत सिंह, विमलेश कुमार, सुजीत कुमार, शन्त कुमार, शनि आदि लोग मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

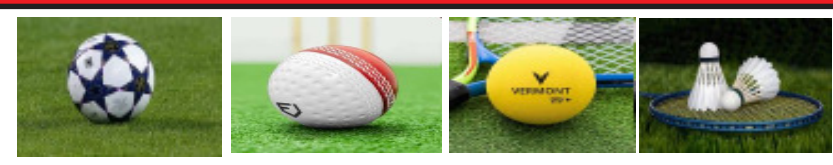

इस साल नहीं चला विराट कोहली का बल्ला, सभी प्रारूप मिलाकर जड़ा सिर्फ एक शतक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तीनों प्रारूप मिलाकर कोहली के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 2024 में कुल 32 पारियां है, ऐसे में सभी को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। कोहली पर्थ टेस्ट में शतकीय पारी के दम पर से 417 रन बनाए। इस साल टेस्ट में उनके बल्ले से एक शतक और एक अर्धशतक निकला और उनका निजी सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 100

खेली और 21.83 के औसत से 655 रन बनाए। इस दौरान कोहली के बल्ले से एक शतक और दो अर्धशतक निकला। ऑस्ट्रेलिया कोहली के लगातार विफल होने से इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि क्या भारतीय टीम का यह पूर्व कप्तान टी20 अंतरराष्ट्रीय के बाद टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह देगा। हालांकि, टीम के पूर्व मुख्य कोच और कोहली के साथ लंबे समय तक काम कर चुके रवि शास्त्री का मानना है कि कोहली अभी तीन-चार साल और खेल सकते हैं। शास्त्री इस बात से भी परेशान नहीं है कि कोहली किस तरह से आउट हो रहे हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत पर्थ टेस्ट की दूसरी पारी में शतक के साथ की थी। कोहली का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेहतर रहा ऑस्ट्रेलियाई धरती पर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए थे और उन्होंने इस मामले में सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा था। कोहली इसके बाद लय बरकरार नहीं रख सके और अगले तीन मैचों में रन बनाने में विफल रहे। पर्थ टेस्ट में शतक के बावजूद कोहली के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी है और उन्होंने सीरीज में अब तक 5, नाबाद 100, 7, 11, 3, 36 और 5 रन की पारियां खेली हैं। तीनों प्रारूप मिलाकर कोहली के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 2024 में कुल 32 पारियां खेली और 21.83 के औसत से 655 रन बनाए। इस दौरान कोहली के बल्ले से एक शतक और दो अर्धशतक निकला। कोहली ने इस साल कुल 10 टेस्ट मैच खेले और 19 पारियों में 24.52 के औसत रन रहा। कोहली ने इस साल सिर्फ तीन वनडे मैच खेले, लेकिन इस प्रारूप में उनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। कोहली ने तीन मैचों में 19.33 के औसत से कुल 58 रन बनाए। दिलचस्प बात यह है कि इस दौरान उनके बल्ले से एक भी छक्का नहीं निकला, जबकि उन्होंने आठ चौके लगाए। कोहली ने इस साल जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में खेले गए टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में अर्धशतक लगाया था और टीम की जीत में भूमिका निभाई थी। ओवरऑल कोहली ने 2024 में कुल 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और 18 की औसत से कुल 180 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 119.20 का रहा है, जबकि सिर्फ एक बार 50ᵹ स्कोर बना सके।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला की नजर में यशस्वी थे नॉटआउट, रोहित बोले - बल्ले का किनारा लगा था

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट मैच के पांचवें दिन उस वक्त विवाद हो गया जब यशस्वी के साथ थर्ड अंपायर ने बेइमानी की जिसने मैच का रुख पलट दिया भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने जहां भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का समर्थन किया है। वहीं, भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि यशस्वी के बल्ले का किनारा लगा था इसलिए इस मामले को ज्यादा उछालने की जरूरत नहीं है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चौथे टेस्ट मैच के पांचवें दिन उस वक्त विवाद हो गया जब यशस्वी के साथ थर्ड अंपायर ने बेइमानी की जिसने मैच का रुख पलट दिया। दरअसल, भारतीय पारी के 71वें ओवर में पैट कमिंस की लेग साइड पर शॉर्ट पिच गेंद को यशस्वी ने फाइन लेग पर खेलने की कोशिश की। वह चूके और गेंद विकेटकीपर कैरी के हाथों में गई। मैदानी अंपायर ने यशस्वी को आउट नहीं दिया जिसके बाद कमिंस ने डीआरएस लेने का फैसला किया। रिप्ले में स्पष्ट नहीं हो पा रहा था कि गेंद यशस्वी के बल्ले का किनारा लेकर गई है या नहीं। इसके बाद स्निको मीटर से जांचा गया, लेकिन स्निको मीटर में कोई हरकत नहीं दिखी। इसके बावजूद थर्ड अंपायर ने मैदानी अंपायर का फैसला पलट दिया और यशस्वी को आउट करार दिया।

एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने यशस्वी, सहवाग को पीछे छोड़ा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। भारतीय टीम को सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में 184 रनों से हार का सामना था, लेकिन यशस्वी ने इस टेस्ट में शानदार पारी खेली थी। यशस्वी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच ऋषभ पंत के साथ 88 रन की साझेदारी की थी, लेकिन यह साझेदारी टूटने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई और उसे हार का सामना करना पड़ा।यशस्वी की शानदार पारी का अंत पैट कमिंस ने किया था, लेकिन उनके आउट होने पर विवाद खड़ा हो गयाथाहै। बल्लेबाज का रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम है जिन्होंने 2010 में 1562 रन बनाए थे। वहीं, गावस्कर ने 1979 में 1555 रन बनाए थे। इस सूची में तीसरे स्थान पर अब यशस्वी आ गए हैं जिन्होंने इस साल टेस्ट में 1478 रन बनाए। भारत के पूर्व विस्फोटक

की पहली पारी में 82 रन बनाए थे और वह दूसरी पारी में भी अपना जलवा बिखेरने में सफल रहे। भारतीय टीम भले ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-2 से पिछड़ गई है, लेकिन टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। यशस्वी का बल्ला इस साल टेस्ट में जमकर बोला और उन्होंने कुल 1478 रन बनाए। इस तरह वह एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। भारतीय टीम को सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में 184 रनों से हार का सामना था, लेकिन यशस्वी ने इस टेस्ट में शानदार पारी खेली थी। यशस्वी ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच की पहली पारी में 82 रन बनाए थे और वह दूसरी पारी में भी अपना जलवा बिखेरने में सफल रहे। यशस्वी ने अपने टेस्ट करियर का 10वां अर्धशतक जड़ा। इतना ही नहीं, यशस्वी ने कमिंस की लेग साइड पर शॉर्ट पिच गेंद को यशस्वी ने फाइन लेग पर खेलने की कोशिश की। वह चूके और गेंद विकेटकीपर कैरी के हाथों में गई। मैदानी अंपायर ने यशस्वी को आउट नहीं दिया जिसके बाद कमिंस ने डीआरएस लेने का फैसला किया। रिप्ले में स्पष्ट नहीं हो पा रहा था कि गेंद यशस्वी के बल्ले का किनारा लेकर गई है या नहीं। इसके बाद स्निको मीटर से जांचा गया, लेकिन स्निको मीटर में कोई हरकत नहीं दिखी। इसके बावजूद थर्ड अंपायर ने मैदानी अंपायर का फैसला पलट दिया और यशस्वी को आउट करार दिया। इससे वहां मौजूद सभी लोग चौंक गए और कमेंट्री बॉक्स में मौजूद दिग्गज भारतीय बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी सवाल खड़े किए। यशस्वी 84 रन बनाकर आउट हुए थे। यशस्वी अपनी इस शानदार पारी के दम पर पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर के क्लब में शामिल हो गए हैं। एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने 2008 में 1462 रन और 2010 में 1422 रन बनाए थे। यशस्वी सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की विशेष सूची में शामिल हो गए थे। यशस्वी उन चुनिंदा भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं जिसने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में टेस्ट मैच की दोनों पारियों में 50ᵹ स्कोर बनाया है। यशस्वी ने एमसीजी टेस्ट की पहली पारी में 82 रन बनाए थे और दूसरी पारी में 84 रन पर आउट हुए। यशस्वी से पहले मंसुर अली खान पटौदी, जीआर विश्वनाथ, सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली भी एमसीजी टेस्ट की दोनों पारियों में 50ᵹ स्कोर बना चुके हैं। पटौदी ने 1967 में इस मैदान पर 75 और 85 रन बनाए थे, जबकि जीआर विश्वनाथ ने 1977 में 59 और 54 रनों की पारी खेली थी। सचिन ने 1999 में एमसीजी टेस्ट में 116 और 52 रन बनाए थे। वहीं, कोहली ने 2014 में इसी मैदान पर 169 और 54 रनों की पारी खेली थी।

भारतीय बैडमिंटन के लिए निराशाजनक रहा यह साल, पेरिस ओलंपिक से खाली हाथ लौटे थे खिलाड़ी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। 2016 रियो ओलंपिक और टोक्यो 2020 में पदक जीतने वाली महिला एकल खिलाड़ी पीवी सिंधू भी पदक नहीं जीत सकी थीं, जबकि पुरुष एकल में लक्ष्य सेन कांस्य पदक हासिल करने से चूक गए थे। क्रिकेट टीम के लिए साल 2024 जहां अच्छा रहा, वहीं में अपना दर्जा मजबूत किया। यह जोड़ी मलेशिया सुपर 1000 और इंडिया सुपर 750 में उपविजेता रही, लेकिन आठ साल में दूसरी दफा ओलंपिक जीतने का सपना पूरा नहीं हो पाया। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के लिए साल निराशाजनक रहा। उन्होंने अपने कोचिंग स्टाफ में कई

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को निराशा मिली। पेरिस ओलंपिक में बैडमिंटन में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और इस स्पर्धा में खिलाड़ी एक भी पदक हासिल नहीं कर सके थे। यहां तक कि 2016 रियो ओलंपिक और टोक्यो 2020 में पदक जीतने वाली महिला एकल खिलाड़ी पीवी सिंधू भी पदक नहीं जीत सकी थीं, जबकि पुरुष एकल में लक्ष्य सेन कांस्य पदक हासिल करने से चूक गए थे। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शानदार जोड़ी ने हालांकि भारतीय बैडमिंटन में एक अमिट छाप छोड़ी, लेकिन यह भारतीय जोड़ी भी पेरिस ओलंपिक से खाली हाथ लौटी। सात्विक और चिराग के लिए अच्छा और बुरा दोनों समय रहे क्योंकि यह जोड़ी चार फाइनल में पहुंची और दो खिताब जीते जिससे ऐतिहासिक ओलंपिक पदक की उम्मीद जगी। लेकिन पेरिस ओलंपिक में क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के साथ उनका अभियान निराशा में समाप्त हो गया था। एशियाई खेलों के चैंपियन ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 और थाईलैंड सुपर 500 में खिताब जीतकर दुनिया की शीर्ष जोड़ियों बदलाव किए और महान बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग के लिए बंगलूरु चली गईं। लेकिन उनका टूर्नामेंट के शुरूआत में बाहर होना जारी रहा जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस से संघर्ष उजागर हुआ। वह मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंची लेकिन तीसरा ओलंपिक पदक जीतने का सपना प्री क्वार्टर फाइनल में मिली हार से खत्म हो गया। हालांकि इस 29 साल की खिलाड़ी ने अपना सत्र सैयद मोदी इंटरनेशनल खिताब जीतकर समाप्त किया और वह इस महीने के अंत में परिणय सूत्र में बंधने के लिए तैयार हैं। लक्ष्य सेन के लिए यह बहुत करीब और फिर भी दूर का मामला रहा। वह पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए उम्मीद की किरण थे। साल की शुरुआत में फ्रेंच ओपन और ऑल इंग्लैंड चैंपियंस के सेमीफाइनल तक के सफर ने उनकी खराब फॉर्म से वापसी कराई और पहले ओलंपिक पदक के सपने को जगा दिया। हालांकि, वह ओलंपिक में कांस्य पदक मैच में हार गए, लेकिन उन्होंने सैयद मोदी इंटरनेशनल में खिताबी जीत से सत्र का समापन किया।

पीएम मोदी ने कोनेरू हम्पी को विश्व रैपिड शतरंज विजेता बनने पर बधाई दी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। खिताबी मुकाबले में हम्पी ने इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराया और देश का नाम रोशन किया। उनकी इस खास उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी। भारतीय ग्रैंडमास्ट कोनेरू हम्पी ने रविवार को दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। खिताबी मुकाबले में उन्होंने इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराया और देश का नाम रोशन किया। उनकी इस खास उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी। पीएम ने एक्स पर हम्पी को शुभकामनाएं देते हुए लिखा- 2024 फिडे महिला विश्व रैपिड चैम्पियनशिप जीतने पर हम्पी कोनेरू को बधाई। उनकी दृढ़ता और प्रतिभा लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यह जीत और भी ऐतिहासिक है क्योंकि यह उनका दूसरा विश्व रैपिड चैम्पियनशिप खिताब है, जिससे वह यह अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल करने वाली एकमात्र भारतीय बन गई हैं।37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। यह भारतीय ग्रैंडमास्टर के लिए एक निर्णायक जीत थी। उन्हें चैंपियनशिप जीतने के लिए में सिर्फ जीत की ही दरकार थी। ड्रॉ या हार से उनका सपना टूट जाता। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ। रूस के 18 वर्षीय वोलोदर मुर्जिन ने पुरुष वर्ग में यह खिताब जीता। नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के बाद मुर्जिन दूसरे सबसे कम उम्र के इर्छ्ठ वर्ल्ड रैपिड चैंपियन हैं। नोदिरबेक ने 17 साल की उम्र में खिताब जीता था।हम्पी ने 2019 में जॉर्जिया के बटुमी में चैंपियनशिप जीतकर सफलता के शिखर पर पहुंची थीं। तब उन्होंने चीन की लेई टिंगजी को एक नर्वस-ब्रैकिंग आर्मगेडन गेम में हराया था।

राशि फल

कुछ कार्य जिसकी पिछले कुछ दिनों से प्लानिंग चल रही है, आज शुरू हो सकता है, जिससे आपको आर्थिक स्थिति में लाभ होगा। व्यापार-व्यवसाय में परिवर्तन की योग बन रहे हैं

आज का दिन अच्छा है। परिवार में कोई नया सदस्य आ सकता है। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। व्यापार आदि में सहयोगी पार्टनर के माध्यम से आय के नए स्रोत बनेंगे

किसी कार्य विशेष को लेकर आज यात्रा आदि पर बाहर जा सकते हैं। यात्रा में सावधानी बरतें, नहीं तो आपको नुकसान हो सकता है। साथ ही परिवार में किसी अपने के स्वास्थ्य से आप चिंतित रह सकते हैं।

आज आप व्यर्थ की भागदौड़ से परेशान हो सकते हैं। आपका मन अशांत रहेगा। कार्य की अधिकता के कारण थकावट आदि महसूस होगी।

आज आप मानसिक रूप से उलझे रहेंगे। किसी बात को लेकर परिवार में परेशानी बढ़ सकती है, लेकिन आप अपनी कुशलता से उसे हल करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

नौकरी आदि के लिए यदि प्रयास कर रहे हैं तो, आज आपको सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा, परंतु परिवार में माता-पिता का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आज आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य न होने से आप मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं। आर्थिक स्थिति के कारण आपको किसी से मदद मांगनी पड़ सकती है। व्यापार-व्यवसाय में भी इस समय गिरावट महसूस होगी।

आज आप पतनी के स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। परिवार के लोग सहयोग करेंगे। व्यापार-व्यवसाय में अपने साथियों के विरोध के कारण आपको बड़ा नुकसान हो सकता है।

स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं। साथ ही नौकरी आदि में अधिकारी वर्ग से मतभेद बढ़ने से आपकी परेशानी बढ़ेगी।

आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। किसी अपने के द्वारा आपको कार्यक्षेत्र में बड़ा काम मिल सकता है, जिस कारण मन प्रसनन्‍ रहेगा।

आत्मविश्वास में कमी रहेगी। मानसिंक शांति रहेगी लेकिन असंतोष भी रहेगा। परिवार में शांति बनी रहेगी। पिता का सहयोग मिलेगा।

मान-सम्मान बढ़ेगा। नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। आत्मविश्वास बन रहेगा। शिक्षा से जुड़े काम सफल होंगे।

भारत की हार की 5 वजह, टीम के तौर पर खेलने में रहे नाकाम, बुमराह को नहीं मिला अन्य गेंदबाजों का साथ

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। जीत के लिए मिले 340 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की दूसरी पारी 155 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम को आज ही लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम इंडिया तीन सत्र भी नहीं खेल सकी और 11 बल्लेबाज पवेलियन लौट गए। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर दूसरी हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की संभावनाओं को झटका लगा है। भारत इस तरह पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 1-2 से पिछड़ गया है और अगर उसे यह सीरीज नहीं गंवानी है तो सिडनी में तीन जनवरी से होने वाला पांचवां मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। जीत के लिए मिले 340 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की दूसरी पारी 155 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम को आज ही लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम इंडिया तीन सत्र भी नहीं खेल सकी और टीम ऑलआउट हो गई। मेलबर्न में टीम इंडिया की टेस्ट में यह 13 साल बाद हार है। इससे पहले भारतीय टीम को 2011 में हार मिली थी। भारत के लिए मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) का मैदान पिछले एक दशक से अधिक समय तक अभेद किला बना हुआ था, लेकिन रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम ने इस सिलसिले को तोड़ दिया। इस हार के भारत को डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए अब अन्य टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। साथ ही सिडनी में अगले टेस्ट को जीतना ही होगा। ड्रॉ या हार टीम इंडिया को फाइनल की दौड़ से बाहर कर देगी। रोहित की कप्तानी में पिछले दो महीने में

छह टेस्ट में टीम इंडिया की यह पांचवीं टेस्ट हार है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 0-3 से हार के बाद भारत को एडिलेड में और फिर अब मेलबर्न में हार मिली है। भारत को अगर अपनी उम्मीदें बनाए रखनी है तो उसे सिडनी टेस्ट में हार हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अगर भारत पांचवां टेस्ट जीत जाता है तो सीरीज 2-2 से बराबर हो जाएगी। ऑस्ट्रेलिया को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। अगर श्रीलंका कंगारू टीम को इस सीरीज में हरा देती है तो ऑस्ट्रेलिया के लिए हालात विपरीत हो जाएंगे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी ड्रॉ रही तो भारत की पीसीटी 55.26 रहेगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया की पीसीटी श्रीलंका के खिलाफ हार के कारण 54.26 हो जाएगी। अगर ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका के खिलाफ एक टेस्ट ड्रॉ कराने में सफल रहा तो उसकी पीसीटी 56.48 हो जाएगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज गंवाने से भारत फाइनल की दौड़ से बाहर हो जाएगा।भारत का टेस्ट में पिछले कुछ समय से प्रदर्शन काफी खराब रहा है और इसके कई कारण रहे हैं। ऐसा ही कुछ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी देखने मिला है।भारतीय टीम मौजूदा सीरीज में एक टीम के तौर पर खेलने में नाकाम रही है। अब तक चार टेस्ट मैचों में प्रत्येक टेस्ट में एक या दो खिलाड़ी ही चले हैं। पर्थ में यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल और विराट कोहली का बल्ला चला, जबकि दूसरे टेस्ट में नीतीश रेड्डी ने सधी हुई पारी खेली थी और अन्य सभी बल्लेबाज फ्लॉप रहे थे। ब्रिसबेन में खेले गए तीसरे टेस्ट में केएल राहुल और रवींद्र जडेजा ने भारतीय पारी को संभाला था। वहीं, मेलबर्न में पहली पारी में यशस्वी, नीतीश और वाशिंगटन सुंदर ने प्रभावशाली किया, जबकि दूसरी पारी में यशस्वी हिट रहे थे। भारतीय टीम के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भारतीय टीम के एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने सीरीज के चारों मुकाबलों में प्रभावित किया है। हाल ही में 200 टेस्ट विकेट पूरे करने वाले बुमराह का प्रदर्शन शानदार रहा है। बुमराह को हालांकि, दूसरे छोर से उतना साथ नहीं मिला है जितनी जरूरत है। मेलबर्न टेस्ट में फिर भी मोहम्मद सिराज ने प्रभावित किया, लेकिन सीरीज में अन्य भारतीय गेंदबाज का प्रदर्शन उस स्तर का नहीं रहा जैसा बुमराह का रहा है।

सम्पादकीय

नए अवसरों के द्वार खोलने वाला समय, २०२५ में भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी मजबूती

भू-राजनीतिक चुनौतियों से उत्पन्न आपूर्ति श्रृंखला और कच्चे तेल के दामों में आई तेजी के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था 2024 में विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रही है। तकनीकी प्रगति, प्रौद्योगिकी, बैंकिंग, नवीकरणीय ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत जैसे नीतिगत उपायों से भारत वैश्विक आर्थिक क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत रखने में सफल रहा है। मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और विदेशी निवेश के रिकार्ड प्रवाह ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए इंजन का कार्य किया है तो बढ़ती मुद्रास्फीति, घटता उपभोग, वित्तीय ऋण और जीडीपी वृद्धि पूर्वानुमानों में कमी ने बड़ी चिंताएं भी पैदा की हैं। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र का दर्जा दिलाने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए वर्तमान आर्थिक स्थितियों में वर्ष 2025 की रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। निवेश, उपभोग और ग्रामीण क्षेत्रों में होने वाले सुधार वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार तैयार करेंगे। दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश होने के कारण वर्ष 2025 में भी घरेलू मांग में मजबूत निरंतरता बनी रहेगी। शहरी के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों की मांग में भी सकारात्मक रुझान दिखाई दे रहा है। जून 2024 में भारत की जीडीपी में निजी अंतिम उपभोग व्यय 57.9 प्रतिशत से बढ़कर 60.4 प्रतिशत हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ता वस्तुओं की दिशा में बढ़ना होगा। नीति निर्माताओं को निवेश में विविधता लाने पर ध्यान देना होगा, क्योंकि अभी तक निवेश स्टील, मशीनरी, केमिकल्स जैसे भारी उद्योगों में ही अधिक रहा है। विविध उद्योगों को बढ़ावा मिलने से घरेलू मांग में भी तेजी से वृद्धि होगी। नवाचार संस्कृति, अकादमिक-उद्योग साझेदारी और वैश्विक बाजार पहुंच का विस्तार करके भारत 2025 में स्वयं को वैश्विक नवाचार पावर हाउस में बदल सकता है। वर्ष 2024 में सेंसेक्स और निफ्टी के रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने से भारत का वित्तीय बाजार वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया था। यह तेजी 2025 में भी बनी रह सकती है, इसके लिए विदेशी मुद्रा बाजार में स्थायित्व पर काम करते हुए अपनी वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाने पर अधिक काम करना पड़ेगा। साथ ही निवेशकों का भरोसा बनाए रखने के लिए राजकोषीय अनुशासन पर विशेष ध्यान देना होगा। वर्ष 2025 में सरकार की प्राथमिकता मौद्रिक नीति में मामूली ढील द्वारा मुद्रास्फीति के दबाव को घटाने की भी होगी। पूंजी निर्माण को प्रोत्साहन मिलने से निम्न एवं मध्य आय वर्ग की क्रय शक्ति को बढ़ावा मिलेगा। जन धन, आधार और मोबाइल के तहत खोले गए खातों में 2.32 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा रकम जमा है। वर्तमान में ई-लेनदेन बढ़कर 134 अरब रुपये हो गया है, जो सभी वैश्विक डिजिटल भुगतानों के 46 प्रतिशत

की मांग 2.2 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 6.2 प्रतिशत हो गई। सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार मासिक प्रति व्यक्ति व्यय में शहरी-ग्रामीण अंतर वित्त वर्ष 2011-12 में 84 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 71 प्रतिशत हो गया। यह 2023-24 में और घटकर 70 प्रतिशत हो गया। ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोग वृद्धि से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में असमानता कम हुई है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही यानी जुलाई-सितंबर में आम चुनावों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो पहली तिमाही की 6.7 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले धीमी है। तीसरी तिमाही में अर्थव्यवस्था पुनः बढ़ने का अनुमान है। क्रिसिल की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से सात प्रतिशत के बीच रह सकती है। इसका प्रमुख कारण यह है कि भारत के पास अभी कार्यशील युवाओं की सबसे बड़ी फौज है। 25 से 54 आयु वर्ग की महिलाओं के बीच श्रम बल भागीदारी दर में भी वृद्धि हुई है। हालांकि उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना और मेक इन इंडिया अभियान सहित अनेक सरकारी प्रोत्साहनों के बावजूद विनिर्माण क्षेत्र अपेक्षित लाभ लेने में सफल नहीं रहा है। इसके लिए विनिर्माण क्षेत्र की दीर्घकालिक प्रकृति पर अधिक ध्यान देते हुए संरचनात्मक सुधारों के बराबर है। उम्मीद है 2025 की शुरुआत में ही भारतीय अर्थव्यवस्था जापान की अर्थव्यवस्था के आकार को पछाड़ कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। एक दशक पहले भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। जापान में संभावित ब्याज दर वृद्धि, अमेरिका और चीन के बीच संभावित टैरिफ युद्ध सहित वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव भारत के लिए वैश्विक व्यापार और विनिर्माण में एक केंद्रीय खिलाड़ी बनने के नए अवसर खोल सकते हैं। तेजी से बदलती भू-राजनीतिक स्थितियों में आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने, चीन प्लस वन का रणनीतिक लाभ लेने, कुशल श्रमशक्ति के उपयोग आदि के लिए नीतिगत उपायों पर विशेष ध्यान केंद्रित कर 2025 में भी विदेशी निवेश के प्रवाह की निरंतरता को बनाए रखा जा सकता है। इसके लिए मुक्त व्यापार समझौतों को तेजी से आगे बढ़ाने और रुपये के अंतरराष्ट्रीयकरण करने के उपायों पर विशेष फोकस करना होगा। कुल मिलाकर शहरी उपभोग में वृद्धि, सेवा क्षेत्र में बढ़त और आधारिक संरचना क्षेत्र में हो रहे निवेश की ओर लगातार झुकाव के कारण वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था एक मजबूत वृद्धि के लिए तैयार है।

मोदी सरकार के राजनीतिक कौशल की परीक्षा का साल होगा 2025

मोदी सरकार ने एक देश एक चुनाव का बिल संसद में पेश तो कर दिया, लेकिन एक साथ चुनाव कराना इतना आसान नही है। यह विचार भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण और विवादास्पद मुद्दा है। इसे लागू करने के लिए संविधान में संशोधन और व्यापक राजनीतिक सहमति की आवश्यकता है। नए साल 2025 में मोदी सरकार के सामने राजनीतिक परिदृश्य और अधिक चुनौतीपूर्ण होने वाला है। 'एक देश, एक चुनाव' जैसी महत्वाकांक्षी पहल के लिए समर्थन जुटाना आसान नहीं होगा, खासकर जब इस मुद्दे पर विभिन्न दलों की राय विभाजित है। इसके साथ ही आंबेडकर विचारधारा से जुड़े सामाजिक मुद्दों और अडानी प्रकरण पर विपक्ष के तीखे हमलों का सामना करते हुए सरकार को अपनी नीतियों और छवि को मजबूत बनाए रखना होगा।ऐसे में यह वर्ष सरकार के लिए न केवल राजनीतिक कौशल की परीक्षा का होगा, बल्कि जनता के भरोसे को कायम रखने की भी। वक्फ बिल अभी पास नहीं हुआ है और उत्तराखण्ड जैसे राज्य में समान नागरिक संहिता का कानून बन भी चुका है। 2025 का भारत, एक नई राजनीतिक दिशा और संभावनाओं के साथ, गहराते सामाजिक-राजनीतिक विभाजन और असंतोष के दौर से भी गुजर सकता है।पक्ष विपक्ष के बीच प्रतिद्वन्दिता दुश्मनी का रूप लेती जा रही है। मोदी सरकार, जो 2024 में चुनाव जीतकर सत्ता में लौटी है, को न केवल अपने एजेंडे को लागू करने की चुनौती होगी, बल्कि विपक्ष और जनता की अपेक्षाओं के बीच संतुलन भी साधना होगा।मोदी सरकार ने एक देश एक चुनाव का बिल संसद में पेश तो कर दिया, लेकिन एक साथ चुनाव कराना इतना आसान नही है। यह विचार भारतीय राजनीति में एक महत्वपूर्ण और विवादास्पद मुद्दा है। इसे लागू करने के लिए संविधान में संशोधन और व्यापक राजनीतिक सहमति की आवश्यकता है। मोदी सरकार के केंद्रीकरण और संघवाद के लिए खतरा मानते हैं। क्षेत्रीय दल, जिनकी राजनीति राज्य स्तर पर केंद्रित है, इसे अपने अधिकारों में

लिए इसे पास करना कई कारणों से चुनौतीपूर्ण होगा। इसे लागू करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 83, 85, 172, 174, और 356 में संशोधन करना पड़ेगा सरकार की इस पहल को लेकर कानूनी चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। इस पर अदालतों में याचिकाएं दायर हो सकती हैं। न्यायपालिका का दृष्टिकोण भी इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण होगा। इसके लिये संविधान संशोधन के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत और आधे से अधिक राज्यों की विधानसभाओं की मंजूरी आवश्यक है। जबकि विपक्षी दल इसे सत्ता हस्तक्षेप मान सकते हैं।इसलिए एनडीए घटकों का समर्थन जुटाना ही चुनौतीपूर्ण होगा। मौजूदा व्यवस्था में बदलाव करने से संवैधानिक संकट उत्पन्न हो सकता है, जैसे कि राज्यों की विधायिकाओं का कार्यकाल छोटा या बड़ा करना। यही नहीं पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने के लिए भारी संख्या में ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की आवश्यकता होगी। चुनाव आयोग और सुरक्षा बलों के लिए इसे संभालना कठिन हो सकता है।वक्फ बोर्ड के बिल को पास कराना भी एक चुनौती वर्तमान में, वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) के पास समीक्षा के लिए भेजा गया है। विपक्ष इसे अल्पसंख्यक विरोधी नीति बताकर मुद्दा बना रहा है। राज्यसभा में एनडीए के पास बहुमत है, जिससे इस विधेयक को पारित कराना अपेक्षाकृत सरल हो सकता है।हालांकि, विधेयक की संवेदनशीलता और विभिन्न राजनीतिक दलों के बीच मतभेदों को देखते हुए, इसे पारित कराने में कुछ चुनौतियाँ आ सकती हैं। क्योंकि अपने मुस्लिम वोट बैंक को देखते हुये सरकार को टिकाये रखने वाले चन्द्र बाबू नायडू और नितीश कुमार इस बिल को समर्थन देने से मुकर सकते हैं। वैसे भी अगर यह बिल पास कराना इतना आसान होता तो सरकार इसे जेपीसी को क्यों भेजती संसद की संयुक्त समिति की पहली बैठक जल्द ही होने की संभावना है, जो विधेयक की समीक्षा करेगी और आवश्यक संशोधनों पर विचार करेगी। इस प्रक्रिया के बाद, विधेयक को संसद के दोनों सदनों में पारित कराने के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। कुल मिलाकर, वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को पारित कराना सरकार के लिए महत्वपूर्ण होगा, लेकिन इसके लिए राजनीतिक सहमति और समर्थन जुटाना आवश्यक होगा।अम्बेडकर को लेकर विवाद से भी निपटना होगा संसद में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा डॉ. भीमराव आंबेडकर पर की गई टिप्पणी से उत्पन्न विवाद ने भारतीय जनता पार्टी के लिए राजनीतिक चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। विपक्ष इस बयान को आंबेडकर का अपमान बताते हुए गृह मंत्री से माफी और इस्तीफे की मांग कर रहा है। इस मुद्दे पर भाजपा को घेरने के लिये दिल्ली में डॉ. भीमराव आंबेडकर के सम्मान और उनके विचारों के प्रचार-प्रसार के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। जबकि, कांग्रेस जनवरी पहले सप्ताह से ही अम्बेडकर को लेकर सरकार के खिलाफ अभियान चलाने जा रही है। डॉ. आंबेडकर दलित समुदाय के प्रतीक हैं। उन पर की गई किसी भी नकारात्मक टिप्पणी से इस समुदाय में असंतोष बढ़ सकता है, जिससे भाजपा को आगामी चुनावों में नुकसान हो सकता है। दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों की चुनौती 2025 में भारत के दो प्रमुख राज्यों, दिल्ली और बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। ये चुनाव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए कई कारणों से महत्वपूर्ण हैं। दिल्ली में वर्तमान में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेतृत्व में नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं। इन चुनावों के परिणाम न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय राजनीति पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे, जिससे मोदी सरकार की आगामी नीतियों और रणनीतियों की दिशा निर्धारित होगी। दिल्ली विधानसभा के 70 सीटों के लिए चुनाव फरवरी 2025 में संभावित हैं। वर्तमान में, आम आदमी पार्टी सत्ता में है और मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना हैं। कांग्रेस ने अब तक 47 सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। बिहार में 243 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव अक्टूबर-नवंबर 2025 में होने की संभावना है। वर्तमान में, नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार है। विपक्षी एकता और क्षेत्रीय दलों का प्रभाव नये साल मोदी सरकार को विपक्ष से कई महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जो राजनीतिक, आर्थिक, और सामाजिक मुद्दों पर आधारित होंगी। सबसे पहले विपक्ष का विरोध एक देश एक चुनाव के मुद्दे पर झेलना होगा। विपक्ष इसे संघवाद के खिलाफ बताते हुए केंद्र सरकार पर राज्यों के अधिकारों को कमजोर करने का आरोप लगा सकता है। विपक्ष विशेष रूप से कांग्रेस, अडानी समूह से जुड़े विवादों को लेकर सरकार की पारदर्शिता और कॉर्पोरेट कनेक्शन पर सवाल उठाता रहेगा। विपक्ष लगातार महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। मणिपुर जैसी जगहों पर हुई हिंसा और सामाजिक असंतोष को लेकर विपक्ष सरकार पर सवाल उठाता रहेगा। ये मुद्दे सरकार की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक क्षमता पर सवाल खड़ा कर सकते हैं। विपक्ष सामाजिक न्याय और आरक्षण के विषयों को आक्रामक रूप से उठाते हुए सरकार की नीतियों पर सवाल खड़ा कर सकता है। विशेष रूप से दलित और पिछड़े वर्गों को ध्यान में रखते हुए यह एक बड़ा मुद्दा बनेगा। विपक्ष चीन के साथ चल रहे सीमा विवाद को लेकर सरकार की विदेश नीति पर हमला बोल सकता है, विशेषकर अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख के संदर्भ में।

पारिस्थितिकी के शिल्पकार हैं भारतीय हाथी, आखिर क्यों है इतने खास

भारतीय उपमहाद्वीप के घने वनों व घास के मैदानों में पाया जाने वाला यह शाकाहारी विशालकाय जीव एक दिन में करीब 200 किलोग्राम तक भोजन करता है और 100 लीटर पानी पीता है। इस भोजन में मुख्य रूप से घास, पत्तियां, फल, और टहनियां शामिल होती हैं। पारिस्थितिकी तंत्र के इंजीनियर कहे जाने वाले भारतीय हाथी न केवल आकर्षक जीव हैं, बल्कि हमारे पर्यावरण के संतुलन में एक इनका संरक्षण अनेक अन्य प्रजातियों का संरक्षण भी सुनिश्चित करता है।भारतीय उपमहाद्वीप के घने वनों व घास के मैदानों में पाया जाने वाला यह शाकाहारी विशालकाय जीव एक दिन में करीब 200 किलोग्राम तक भोजन करता है और 100 लीटर पानी पीता है। इस भोजन में मुख्य रूप से घास, पत्तियां, फल, और टहनियां शामिल होती हैं। यह भोजन प्रक्रिया केवल उनके जीवन को बनाए रखने के जिसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज हो चुका है।आजकल जंगलों की कटाई, खनन और शहरीकरण की वजह से हाथियों के प्राकृतिक-आवास का विखंडन तेजी से हो रहा है, जिससे हाथियों का दल व्याकुल हो जाता है और भोजन की तलाश में जुट जाता है। इसके कारण हाथियों को मानव बस्तियों के करीब आना पड़ता है, जिससे मानव-हाथी संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं, भारत में अधिक प्रभावित है। 75 वर्षों में हाथियों की संख्या में 50ज्ञ की गिरावट हुई है। प्राकृतिक-आवास की क्षति और विखंडन ने उनके सामाजिक ढांचे को भी प्रभावित किया है, जिससे उनका आपसी संबंध कमजोर हो गया है और प्रजनन में भी कठिनाई हो रही है, इससे प्रजाति के भविष्य पर संकट मंडरा रहा है।भारत सरकार और अनेक संरक्षण संस्थाएं हाथियों के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं, लेकिन आज के समय में हमें

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। भारतीय हाथी (एलीफस मैक्सिमस इंडिकस) एशियाई हाथी की चार उपजातियों में से एक है, और यह मुख्यतः भारत में पाया जाता है। हाथी जंगलों में रहना पसंद करते हैं, पर खुले मैदानों और घास के क्षेत्रों में भी भ्रमण करते रहते हैं। ये स्वभाव से खानाबदोश होते हैं और एक स्थान पर लंबे समय तक नहीं ठहरते। चलते-चलते ये हाथी वनों में बीजों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं, जिससे नए पेड़-पौधों का प्रसार होता है और जैव विविधता बनाए रखने में मदद मिलती है, अपने भारी पैरों से जमीन को दबाकर रास्ते बनाते हैं, जिससे छोटे जानवरों के लिए आवास उत्पन्न होते हैं और अन्य जीवों की आवाजाही में आसानी होती है, हाथी कई तरीकों से वृक्षों और वनस्पतियों की बढ़त को नियंत्रित करने में सहायता करते हैं।

इनकी महत्ता के कारण ही हाथी पारिस्थितिकी तंत्र के लिए 'अम्ब्रेला स्पीशीज' माने जाते हैं, क्योंकि लिए आवश्यक नहीं है, बल्कि उनके द्वारा छोड़े गए बीज जंगल में पुनः अंकुरित होते हैं, जिससे वृक्षों की संख्या बढ़ती है और वन का संतुलन बना रहता है। इनके मल में भी अनेक प्रकार के बीज होते हैं, जो मृदा की उर्वरता और जैव-विविधता को बढ़ाते हैं।भारतीय संस्कृति व धार्मिक मान्यताओं में हाथी पूजनीय जीवों में से एक है, हाथियों को अति-पवित्र और शुभ माना जाता है, भगवान गणेश का स्वरूप हाथी के रूप में ही देखा जाता है, जो ज्ञान और समृद्धि के देवता माने जाते हैं। धार्मिक-आस्था और पर्यावरणीय संरक्षण दोनों को जोड़ते हुए, यह महत्वपूर्ण है कि हम हाथियों के संरक्षण के लिए प्रयास करें, ताकि हम अपनी सांस्कृतिक-धरोहर और जैविक विविधता को बनाए रख सकें।जब धरोहर की बात का संबंध हाथियों से हो और वत्सला का नाम ना आये, ऐसा नहीं हो सकता, पन्ना टाइगर रिजर्व की धरोहर बन चुकी दुनिया की सबसे उम्रदराज हथिनी है 'वत्सला' प्रत्येक वर्ष कई व्यक्ति मानव-हाथी संघर्ष में अपनी जान गंवाते हैं और लाखों की फसल और संपत्ति का भी नुकसान होता है।इस संघर्ष के चलते प्रतिशोध में हाथियों की भी हत्या हो जाती है, इस दयनीय स्थिति ने हाथियों के संरक्षण को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना दिया है। ज्वलंत मुद्दे की बात की जाये तो , जलवायु परिवर्तन भी हाथियों के लिए कठिनाइयाँ लेकर आया है, सूखे के कारण पानी की कमी हो रही है, जिससे हाथियों को पानी और भोजन की खोज में लंबी दूरी तय करना पड़ता है, बढ़ते तापमान और अनियमित मौसम चक्रों के चलते, ये चुनौतियां और भी गंभीर हो जाती हैं, इससे हाथियों की शारीरिक और मानसिक स्थिति पर बुरा असर पड़ता है, जिससे उनकी जीवन-प्रत्याशा और प्रजनन-दर में भी गिरावट देखी जा रही है।आज हमारे भारत में दुनिया की 60ज्ञ से अधिक एशियाई हाथीयों की आबादी उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय वनों में निवास करती है, जो मानव-हाथी संघर्ष से सबसे यह समझने की आवश्यकता है कि भारतीय हाथियों की सुरक्षा केवल सरकार या वन्यजीव संगठनों की जिम्मेदारी नहीं है। हाथियों के संरक्षण में समाज का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिका निभा सकता है, हाथियों के प्राकृतिक पर्यावास को बचाकर, हाथीदांत से बने सामानों के उपयोग को बंद कर, वन्यजीव गलियारे (कॉरिडोर) में हाथियों के निर्बाध आवागमन को गति देकर, अधिकाधिक जागरूकता के माध्यम से भी आप इस प्यारे जीव की रक्षा कर सकते हैं, जो पूरे पारिस्थितिक तंत्र के निर्माण में सहायक होगा। विश्व हाथी दिवस (12 अगस्त) जैसे विशेष दिन अवश्य मनायें, अन्य लोगों व छोटे बच्चों को कहानियों के माध्यम से हाथियों के प्रति सजग करें, यह कदम निश्चित ही हाथियों के संरक्षण में सहायक होगा, क्योंकि हाथियों का संरक्षण केवल एक जीव के संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरी जैव विविधता के संरक्षण का एक अनिवार्य हिस्सा है।

हर नया साल, एक नई उम्मीद, नए संकल्प और नए अवसर

ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की पूर्व संध्या 31 दिसंबर को पड़ती है और जश्न 1 जनवरी के शुरुआती घंटों तक जारी रहता है। हम नए साल की दहलीज पर खड़े हैं। हमारे लिए हर दिन नया है, हर साल नया है और हर नया साल एक नई उम्मीद, नया संकल्प और नये अवसर लेकर आता है। यह वह समय होता है जब हम अपने अतीत को पीछे छोड़कर भविष्य की ओर कदम बढ़ाते हैं। यह न केवल समय की एक और परिभाषा है, बल्कि हमारे भीतर छुपे उन अनगिनत संभावनाओं और सपनों की शुरुआत भी है, जिन्हें हम अब साकार करने का दृढ़ संकल्प लेते हैं। नए साल की देवता जानूस, जिनके दो चेहरे उन्हें भविष्य में आगे और साथ ही अतीत में पीछे देखने की अनुमति देते थे, ने 1 जनवरी को वर्ष का पहला दिन बनाया। हालांकि, 16वीं शताब्दी के मध्य तक इसे यूरोप में व्यापक रूप से स्वीकार नहीं किया गया था। ईसाई धर्म की शुरुआत के बाद, 25 दिसंबर, यीशु के जन्म का दिन, स्वीकार किया गया और 1 जनवरी नए साल की शुरुआत को विधर्मी माना गया। जब तक पोप ग्रेगोरी ने जूलियन कैलेंडर को बदलकर 1 जनवरी को वर्ष की आधिकारिक शुरुआत नहीं कर दी तब तक इसे स्वीकार नहीं किया गया। इसके अलावा ऐसा माना जाता है

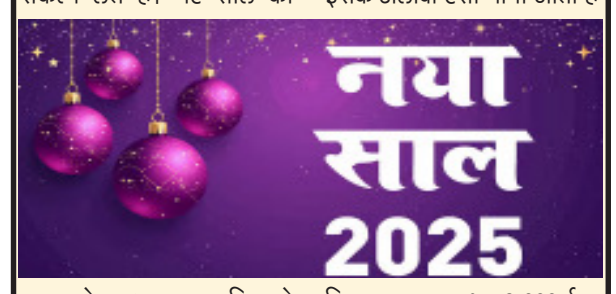

दस्तक के साथ, हम हर दिन को एक नए अवसर के रूप में अपनाते हैं, जो हमें न केवल अपनी खुशियों को संजोने बल्कि अपनी जिंदगी को और बेहतर बनाने की प्रेरणा भी देता है।ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार नए साल की पूर्व संध्या 31 दिसंबर को पड़ती है और जश्न 1 जनवरी के शुरुआती घंटों तक जारी रहता है। माना जाता है कि ऐसे खाद्य पदार्थ और नाश्ते जो सौभाग्य लाते हैं, मौज-मस्ती करने वालों द्वारा खाए जाते हैं। दुनिया भर में लोग गीत गाने और आतिशबाजी देखने जैसे रीति-रिवाजों के साथ जश्न मनाते हैं। चूंकि नया साल अच्छे बदलाव का एक बड़ा अवसर है, इसलिए कई लोग आने वाले वर्ष के लिए अपने संकल्प लिखते हैं।विश्व में सर्वाधिक प्रचलित ग्रगोरियन कैलेंडर के इतिहास में जाए तो 1 जनवरी को पहली बार 45 ईसा पूर्व में नए साल की शुरुआत के रूप में मनाया गया था। इससे पहले, रोमन कैलेंडर मार्च में शुरू होता था और 355 दिनों तक चलता था। सत्ता में आने के बाद रोमन तानाशाह जूलियस सीजर ने कैलेंडर बदल दिया। महीने के नाम के सम्मान में शुरुआत के रोमन कि नया साल लगभग 2,000 ईसा पूर्व या 4,000 साल पहले, प्राचीन बेबीलोन में शुरू हुआ था।बसंत विषुव के बाद पहली अमावस्या पर आमतौर पर मार्च के अंत में, बेबीलोनियों ने नए साल को 11-दिवसीय उत्सव अकितु के साथ मनाया, जिसमें प्रत्येक दिन एक अलग समारोह शामिल था। दरअसल, ग्रेगोरियन कैलेंडर ने वर्ष की लंबाई को सही करके पहले इस्तेमाल किए गए जूलियन कैलेंडर में अशुद्धियों को संशोधित किया गया। इसने लीप वर्षों के लिए अधिक सटीक प्रणाली शुरू की, जिससे समय की गणना में त्रुटि की संभावना कम हो गई। ग्रगोरियन कैलेंडर का उद्देश्य कैलेंडर वर्ष को सौर वर्ष के साथ अधिक निकटता से सिंक्रोनाइज करना था। जिससे यह सूर्य के चारों ओर पृथ्वी की कक्षा को ट्रैक करने में अधिक सटीक हो सके। इसकी शुरूआत कैथोलिक चर्च के प्राधिकार द्वारा समर्थित थी जिसका उस समय यूरोप में महत्वपूर्ण प्रभाव था। शुरुआत में कैथोलिक देशों द्वारा और बाद में अन्य देशों द्वारा इसे अपनाने से इसकी व्यापक स्वीकृति में योगदान मिला।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

आर डब्ल्यू ए का प्रतिनिधि मंडल कमिश्नर से मिला

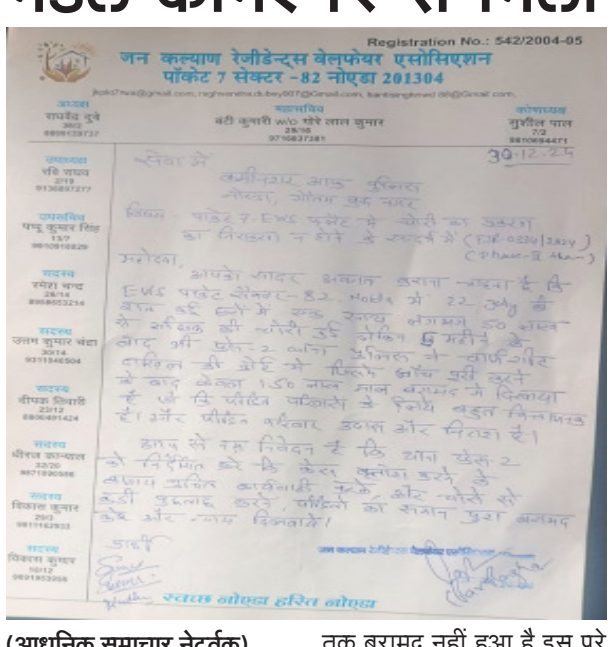

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। पॉकेट 7 सेक्टर 82 नोएडा की आर डब्लू ए की टीम उपाध्यक्ष रवि राघव के नेतृत्व में पुलिस कमिशनर नोएडा से मिली और पांच महीने पहले सोसाइटी के चार घरों में हुई चोरी के संबंध में बातचीत की इस अवसर पर पीड़ित श्री राम त्रिपाठी ने कमिशनर मैडम से कहा कि हमारे घर से करीब 50 लाख की चोरी हुई है और चोरों को पुलिस ने पकड़ भी लिया है लेकिन हमारा माल अभी तक बरामद नहीं हुआ है इस पूरे मामले में पुलिस की कार्यवाही असंतोष जनक रही है पुलिस कमिशनर ने आश्वासन दिया वह इस मामले को खुद देखेगी इसलिए आप लोग 10 दिन समय उनको दे वह इस विषय में उचित कार्यवाही करवाएंगी, इस अवसर पर आर डब्लू ए के उपाध्यक्ष रवि राघव, गोरे लाल, श्री राम त्रिपाठी, राजेश पाठक, सुभाष शर्मा,विष्णु शर्मा,शभू नाथ आदि पॉकेट वासी उपस्थित रहे।

नेकी का डब्बा फाउंडेशन ने वीर बाल दिवस पर किया 7,000 कपड़ों का वितरण

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। गुरु गोबिंद सिंह जी के चार वीर साहिबज़ादों - साहिबज़ादा अजीत सिंह, साहिबज़ादा जुझार सिंह, साहिबज़ादा ज़ोरावर सिंह और साहिबज़ादा फ़तेह सिंह - के अद्वितीय बलिदान और साहस को में किया गया।101 दिन चलेगा अभियान, 50,000 कपड़ों के वितरण का लक्ष्य फाउंडेशन के संस्थापक, गिरीश शुक्ला ने बताया कि यह अभियान 101 दिनों तक चलेगा, जिसके अंतर्गत दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न इलाकों में से जुड़े कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें हर्षवर्धन मिश्रा, रजत अग्रवाल, कमल किशोर , वैभव तिवारी , ददन सिंह , परमानंद अग्रवाल, सचिन ठाकुर , सचिन सेंगर, उर्वशी मसंद, तेजपाल प्रजापति, भावना चौहान,

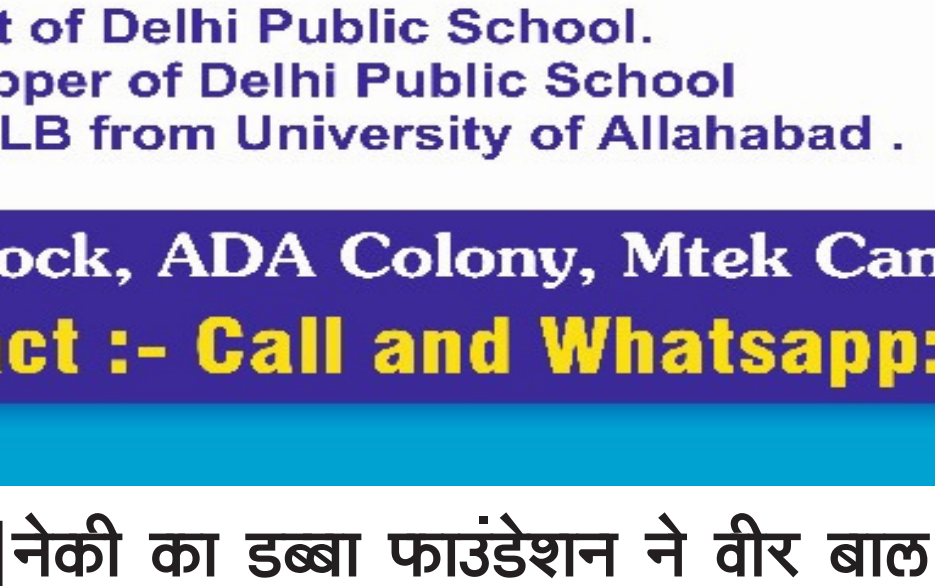

श्रद्धांजलि देते हुए, नेकी का डब्बा फाउंडेशन ने आज वीर बाल दिवस के अवसर पर जरूरतमंदों के बीच 7,000 से अधिक कपड़ों का वितरण किया। यह वितरण आपकी उतरन किसी की जरूरत अभियान के तहत ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सीआरसी जोयोस के निर्माणाधीन सेवा बस्ती वंचित वर्गों तक 50,000 से अधिक कपड़े पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान में फाउंडेशन के स्वयंसेवक और समाजसेवी सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों भावेन सिंह, नरेंद्र पाल सिंह और अन्य शामिल थे। फाउंडेशन का संकल्प नेकी का डब्बा फाउंडेशन जरूरतमंदों के उत्थान और समाज के वंचित वर्गों की मदद के लिए निरंतर कार्यरत है। फाउंडेशन भविष्य में भी इसी प्रकार के आयोजन कर समाज सेवा में योगदान देता रहेगा।

नोएडा भाजपा के मंडल अध्यक्षों की हुई घोषणा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। नोएडा भाजपा के सभी 8 मंडलों में से 7 मंडल अध्यक्षों की घोषणा कर दी गई है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी मंडल में रामकिशन यादव को मंडल अध्यक्ष तथा श्रीमती सुनीता शर्मा को प्रतिनिधि, कृष्णानगर मंडल में मनीष तिवारी को मंडल अध्यक्ष तथा निर्मल सिंह को प्रतिनिधि, पं. दीनदयाल उपाध्याय मंडल में शशिधर उपाध्याय को अध्यक्ष तथा श्रीमती साइनी मुरलीधर को मंडल प्रतिनिधि, महाराणा प्रताप मंडल में दीनबंधु कुशवाहा को मंडल अध्यक्ष तथा अखिलेश पाल को मंडल प्रतिनिधि, शहीद भगत सिंह मंडल में गौतम शर्मा को मंडल अध्यक्ष व रवि प्रधान को मंडल प्रतिनिधि, अटल बिहारी वाजपेयी मंडल में नीरज चौधरी को मंडल अध्यक्ष व अमरजीत दास को मंडल प्रतिनिधि तथा सैनिक बिहार मंडल प्रदीप चौहान को मंडल अध्यक्ष घोषित किया। सरस्वती शिशु मंडल के अध्यक्ष की भी घोषणा जल्द हो जाएगी।

एकेडमिक काउंसिल ने लिए कई फैसले, इतने रुपये कम हुई फीस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

वाराणसी। नई एकेडमिक सत्र के लिए फीस का प्रस्ताव बनाया गया है। इसको एकेडमिक काउंसिल ने मंजूरी भी दे दी है लेकिन अंतिम मुहर लगनी बाकी है। फीस बढ़ोतरी को लेकर छात्र-छात्राओं में चर्चाएं

भी होने लगी हैं। धर्म शास्त्र की पढ़ाई पर विशेष ध्यान रखा जाएगा।बीएचयू में नए एकेडमिक सत्र से पीजी कोर्स में फीस के दरों में बदलाव किया जाएगा। नई फीस व्यवस्था का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। अंतिम मुहर लगनी बाकी है। इसके तहत अब बीएचयू में धर्म विज्ञान की पढ़ाई पहले से सस्ती होगी। प्रति सेमेस्टर 115 रुपये कम फीस जमा करना होगा। हर छह महीने में 1000-1000 रुपये देने होंगे। इसमें एकेडमिक और डेवलपमेंट फीस 500-500 रुपये ली जाएगी। दो साल तक आचार्य करने के दौरान छात्र और छात्राओं को कुल 4462 रुपये जमा करने होते हैं। लेकिन नई व्यवस्था में 4000 रुपये ही जमा करने होंगे। यानी कि कुल 462 रुपये की बचत होगी। कॉमर्स में तीन रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके अलावा मेडिकल समेत सभी संकायों की फीस में बढ़ोतरी की गई है। 26 दिसंबर को एकेडमिक काउंसिल में बैठक के बाद प्रस्ताव पर चर्चा हुई है। अब अगली एकेडमिक काउंसिल में इस नई व्यवस्था पर सहमति बन सकती है।कला संकाय में पढ़ाए जाने वाले 22 पीजी कोर्स की फीस प्रति सेमेस्टर में 160 रुपये की बढ़ोतरी होगी। मंच कला संकाय में भी 160 रुपये, सामाजिक विज्ञान संकाय में 154 रुपये, दृश्य कला संकाय में 60 रुपये, पर्यावरण संस्थान में 65 रुपये और एमबीए में करीब 6000 रुपये और मेडिकल साइंस में करीब 14 हजार रुपये तक फीस बढ़ाई गई है। वहीं, कॉमर्स फैकल्टी में महज तीन रुपये प्रति सेमेस्टर फीस बढ़ाई गई है।

बॉलीवुड/टेली मसाला

शाहिद कपूर की 'देवा' का नया पोस्टर जल्द होगा जारी अमिताभ बच्चन से है खास कनेक्शन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । देवा की टीम नए साल पर दर्शकों को एक खास सरप्राइज

देने के लिए तैयार है। एक्शन फिल्म का पोस्टर जल्द ही रिलीज होने वाला है और इसका अमिताभ बच्चन से खास कनेक्शन है।बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर इन दिनों अपनी आगामी एक्शन फिल्म देवा को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। शाहिद कपूर ने 2025 की अपनी पहली फिल्म देवा की घोषणा करके अपने प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म देवा में शाहिद कपूर का लुक पहले ही जारी किया जा चुका है। अब, रॉय कपूर फिल्म्स और जी स्टूडियोज ने दर्शकों के लिए एक और नए साल का सरप्राइज प्लान किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 1 जनवरी, 2025 को फिल्म का नया पोस्टर जारी होगा, जिसमें अमिताभ बच्चन का एक खास कनेक्शन भी दिखाई देगा। फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज देवा के साथ हिंदी फिल्म में डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शाहिद कपूर, पूजा हेगड़े और पावेल गुलाटी अभिनीत यह फिल्म सभी एक्शन प्रेमियों के लिए नए साल की जबर्दस्त ट्रीट होगी। वैसे तो फिल्म देवा से शाहिद कपूर का लुक पहले ही जारी किया जा चुका है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, देवा की टीम 1 जनवरी को एक्शन फिल्म का नया पोस्टर जारी करने की योजना बना रही है, जिसमें बिग बी का खास कनेक्शन दिखाई देगा। देवा को पहले 14 फरवरी, 2025 को रिलीज किया जाना था, क्योंकि इस दिन वैलेंटाइन डे की छुट्टी का फायदा फिल्म को मिलता, लेकिन निर्माताओं ने बाद में घोषणा की कि एक्शन-थ्रिलर फिल्म 31 जनवरी, 2025 को रिलीज होगी। देवा में शाहिद और पूजा के अलावा प्रवेश राणा और कुब्रा सैत सहायक भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, ठबैठ जाइए, क्योंकि इंतजार अब कम हो रहा है! देवा आपके पास आपकी सोच से भी पहले आ रहा है, 31 जनवरी, 2025! हम इस एक्शन से भरपूर थ्रिलर को लाने के लिए उत्साहित हैं। अपने कैलेंडर को मार्क कर लें और एक दिल-धड़कन वाले अनुभव के लिए तैयार हो जाएं जिसे आप कभी नहीं भूलेंगे।

नागा वामसी की बॉलीवुड पर टिप्पणी बोनी कपूर को नहीं आई पसंद, दिया ये करारा जवाब

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । तेलुगु निर्माता नागा वामसी ने हाल ही में कहा कि दक्षिण भारतीय फिल्मों ने बॉलीवुड का नजरिया बदल दिया है। हालांकि बोनी कपूर उनकी इस बात से सहमत नजर नहीं आए।'गुंटूर कारम' और 'देवरा' जैसी फिल्मों का निर्माण करने वाले तेलुगु फिल्म निर्माता नागा वामसी ने हाल ही में एक बड़ा बयान दिया। उनके मुताबिक दक्षिण भारतीय फिल्मों ने बॉलीवुड का नजरिया बदल दिया है। नागा वामसी का कहना है कि बॉलीवुड अब सिर्फ मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा और जुहू के लिए फिल्में बनाने में फंस चुका है। वहीं, दक्षिण भारतीय सिनेमा ने दर्शकों के सोचने और फिल्मों को देखने के तरीके में बदलाव किया है। यह बयान उन्होंने गैलाटा प्लस के एक कार्यक्रम में दिया। इसमें फिल्म निर्माता बोनी कपूर भी शामिल थे। बातचीत के दौरान बोनी कपूर ने दक्षिण भारतीय सिनेमा के वैश्विक बाजार पर बात की। उन्होंने कहा, तेलुगु फिल्मों का अमेरिका में एक खास बाजार है, तमिल फिल्मों का सिंगापुर और मलेशिया में और खाड़ी देशों में भी सिनेमा का बहुत बड़ा बाजार हैइस पर नागा वामसी ने कहा,खाड़ी देशों में मलयालम सिनेमा का भी एक बड़ा बाजार है। निर्माता अर्चना कलपति और सिद्धार्थ ने नागा की बात से सहमति जताई। नागा वामसी ने फिर बोनी कपूर से सीधे तौर पर कहा, ठआपको यह स्वीकार करना होगा कि दक्षिण भारतीय सिनेमा ने बॉलीवुड का नजरिया बदल दिया है, क्योंकि आप लोग सिर्फ बांद्रा और जुहू के लिए फिल्में बनाने में फंस चुके हैं। आपने बाहुबली, आरआरआर, एनिमल और जवान जैसी फिल्में के साथ इस बदलाव को देखा है। बोनी कपूर ने इस पर हैरानी जताते हुए कहा, ऐसा नहीं है। इस पर नागा वामसी ने जवाब दिया, सर, मुगल-ए-आजम के बाद आपने बाहुबली और आरआरआर जैसी तेलुगु फिल्मों का उदाहरण दिया, लेकिन आपने किसी हिंदी फिल्म का जिक्र नहीं किया बोनी कपूर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम इस मंच पर हर बात नहीं कह सकते, हमें इस पर व्यापक रूप से बात करनी होगी। जब मैं मुगल-ए-आजम, बाहुबली आदि का जिक्र करता हूं, तो इसका मतलब यह नहीं कि मैंने अन्य फिल्मों को नजरअंदाज किया है। मुझे उन फिल्मों के बारे में जानकारी है। मैं उंगलियों पर उन फिल्मों को गिना सकता हूं। लेकिन मेरा ऐसा बिल्कुल भी मानना नहीं है कि तेलुगु सिनेमा ने हमें कुछ सिखाया है।नागा वामसी ने फिर स्पष्ट किया कि वह सिर्फ इवेंट और मास एंटरटेनर्स के बारे में बात कर रहे थे। तब बोनी कपूर ने कहा कि पुष्पा 2 के एक्टर ने कहा कि वह अमिताभ बच्चन के बड़े प्रशंसक हैं, वह एनटी रामाराव के फैन भी हो सकते थे नागा वामसी ने इस पर कहा कि वह शाहरुख खान के फैन हैं और अल्लू अर्जुन भी चिरंजीवी के बड़े प्रशंसक हैं।

राम चरण की गेम चेंजर को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी, कियारा की साउथ डेब्यू पर लोगों की निगाहें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । फिल्म का ट्रेलर 1 जनवरी 2025 को रिलीज होने वाला है। यह घोषणा निर्माता दिल राजू ने अमेरिका में आयोजित एक प्री-रिलीज इवेंट के दौरान की, जहां उन्होंने फिल्म के आगामी लॉन्च के बारे में उत्साह साझा किया। ग्लोबल

स्टार राम चरण की फिल्म 'गेम चेंजर' ने प्रशंसकों को लंबे समय तक इंतजार कराया है। फिल्म निर्माण और रिलीज की तारीखों में कई देरी के बाद, फैंस 10 जनवरी, 2024 को संक्रांति के मौके पर बिग स्क्रीन पर देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी भी मिल गई है। इसके साथ ही फैंस का उत्साह भी सातवें आसमान पर पहुंच गया है।फिल्म का ट्रेलर 1 जनवरी 2025 को रिलीज होने वाला है। यह घोषणा निर्माता दिल राजू ने अमेरिका में आयोजित एक प्री-रिलीज इवेंट के दौरान की, जहां उन्होंने फिल्म के आगामी लॉन्च के बारे में उत्साह साझा किया। ट्रेलर लगभग 2 मिनट और 45 सेकंड लंबा होने की उम्मीद है। दिल राजू ने कहा, ''अमेरिका में सफल आयोजन करने के बाद, हम तेलुगु राज्यों में एक बड़ा आयोजन करना चाहते थे, जिसमें आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण गरु मुख्य अतिथि हों।'' उन्होंने यह भी कहा कि राम चरण की फिल्म में यह आयोजन इतिहास रच सकता है।रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म ने अपनी सेंसरशिप औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं, और फैंस को फिल्म का दूसरा भाग और एक्साइटेड करता सकता है। इसमें इंटरवल के दौरान एक हाई-ऑक्टेन ट्रेन सीक्वेंस शामिल है। सेंसर बोर्ड ने फिल्म को ळ्/ सर्टिफिकेट दिया है, जिसकी अवधि लगभग 2 घंटे और 45 मिनट है। निर्माताओं की ओर से आधिकारिक घोषणा का बेसब्री से इंतजार है। फिल्म में राम चरण और कियारा आडवाणी के अलावा एसजे सूर्या, अंजलि, समुथिरकानी, श्रीकांत और जयराम मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा राम चरणींण16 नाम की एक और फिल्म पर भी काम कर रहे हैं। इसका निर्देशन बुची बाबू सना कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता के साथ जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

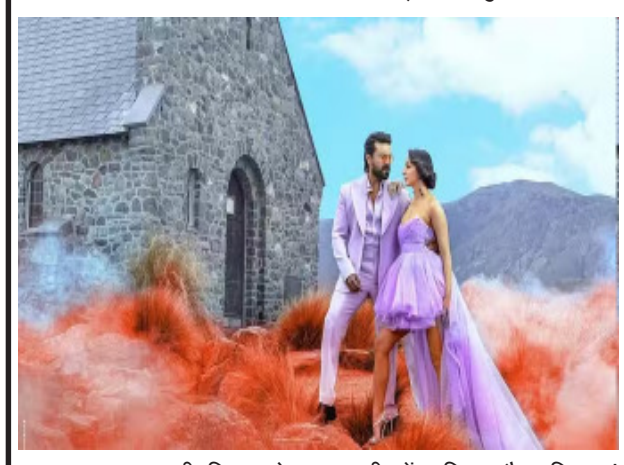

'इमरजेंसी' टास्क में हुई करणवीर मेहरा और रजत दलाल की लड़ाई, बिग बॉस के घर में आईं कंगना रनौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । बिग बॉस 18 के घर में साल के आखिरी दिन कंगना

रनौत पहुंची। साल के आखिरी दिन भी टास्क में रजत दलाल और करण वीर मेहरा के बीच जोरदार लड़ाई देखने को मिली है। बिग बॉस के घर में इमरजेंसी वार्ड टास्क के दौरान रजत दलाल और करण वीर मेहरा के बीच जबरदस्त लड़ाई देखने को मिली है। इसके साथ ही शो के प्रोमो में कंगना रनौत की आवाज भी सुनाई दी।इस वीडियो में करण वीर मेहरा और अविनाश मिश्रा अपने इमरजेंसी वार्ड में रजत दलाल को बुलाते हैं। इस पर अविनाश कहते हैं बिना दाढ़ी के आप कैसे लगेंगे। इसके बाद करण वीर मेहरा रजत दलाल की दाढ़ी काट देते हैं।रजत दलाल कहते हैं गलती से मैं डॉक्टर आ गया न दूसरा तो देखना। इसके बाद चाहत और रजत एक साथ इमरजेंसी वार्ड में दिखाई देते हैं। रजत करण वीर के ऊपर लिक्विड फेंक देते हैं। इस पर रजत ने कहा- जितने मेरे बाल कटे इसके एक चौथाई काटूंगा पर काटूंगा। करण वीर मेहरा ने कहा, तेरे जैसे दो आगे दो पीछे, दो वैनिटी के बाहर रखता हूं मैं। अभिनेत्री कंगना रनौत की आवाज इस टास्क के दौरान सुनाई देती है। वे कहती हैं- बहुत हो गया आप लोगों का, अब घर के अंदर लगेगी असली इमरजेंसी और चलेगी सिर्फ मेरी डिक्टेटरशिप। बिग बॉस के घर में हाल ही में नॉमिनेशन टास्क हुआ है। इसमें घर से बेघर होने के लिए ईशा सिंह, चाहत पांडे, रजत दलाल, कशिश कपूर, अविनाश मिश्रा, विवियन डीसेना, श्रुतिका अर्जुन का नाम लिस्ट में शामिल है। इनके अलावा चुम दरांग, करण वीर मेहरा और शिल्पा शिरोडकर नॉमिनेशन टास्क में सुरक्षित रही हैं।

कीर्ति सुरेश को 'बेबी जॉन' के लिए इस साउथ अभिनेत्री ने की थी सिफारिश, बोलीं- मैं बहुत डरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । निर्देशक एटली की तमिल ब्लॉकबस्टर फिल्म थेरी की रीमेक है बेबी जॉन, जिसमें मूल रूप से दलपति विजय और सामंथा रुथ प्रभु ने मुख्य भूमिका निभाई थी, लेकिन क्या आपको पता है कीर्ति सुरेश को फिल्म बेबी जॉन के लिए किसने रिकमेंड किया था। बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन और साउथ अभिनेत्री कीर्ति सुरेश पहली बार फिल्म बेबी जॉन में स्क्रीन शेयर करते नजर आए। वैसे तो यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पा रही है, लेकिन इस फिल्म को जिसकी रीमेक बनाया गया यानी थेरी ने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की थी। बेबी जॉन की अभिनेत्री कीर्ति ने खुलासा किया की उन्हें इस फिल्म के लिए किसी खास शख्स ने रिकमेंड किया था और इस फिल्म को लेकर वह डरी हुई थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल ही में एक इंटरव्यू

के दौरान, कीर्ति सुरेश ने खुलासा किया है कि सामंथा रूथ प्रभु ने हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बेबी जॉन के लिए उनकी सिफारिश की थी। यह फिल्म एटली की तमिल ब्लॉकबस्टर थेरी की रीमेक है, जिसमें मूल रूप से दलपति विजय और सामंथा रुथ प्रभु ने मुख्य भूमिका निभाई थी। बेबी जॉन में, कीर्ति ने वह भूमिका निभाई जो मूल रूप से सामंथा ने निभाई थी। एक इंटरव्यू के दौरान बेबी जॉन के लिए कीर्ति ने उनका नाम सुझाने के लिए सामंथा के प्रति आभार व्यक्त किया। कीर्ति ने कहा, ठजब यह हो रहा था, तब शायद वह मेरे बारे में सोच रही थी। यही बात वरुण धवन ने मुझे बताई थी। मैं इसके लिए जितना भी आभारी रहूं, कम है। सामंथा ने कहा कि 'कीर्ति इस किरदार को बखूबी निभा पाएगी।' आगे कीर्ति ने कहा, ''तमिल में थेरी में उनका अभिनय मेरे पसंदीदा में से एक है। ईमानदारी से कहूं तो मैं इस फिल्म को लेकर बहुत डरी हुई थी।आगे कीर्ति ने कहा, ठमुझे याद है कि उन्होंने जब बेबी जॉन का ट्रेलर देखने के बाद इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी पोस्ट की थी, जिसमें उन्होंने लिखा था, 'मैं इसे किसी और के साथ शेयर नहीं करती, लेकिन आपके साथ करती।' यह बहुत प्यारा था और मेरे लिए बहुत मायने रखता था। मैं इससे बेहतर बॉलीवुड डेब्यू की उम्मीद नहीं कर सकती थी। यह उन किरदारों में से एक है, जिन्हें मैं वाकई पसंद करती हूं और मुझे खुशी है कि मुझे इसे हिंदी में निभाने का मौका मिला बेबी जॉन कीर्ति सुरेश की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। भले ही फिल्म दर्शकों को प्रभावित करने में विफल रही हो, लेकिन कलीज निर्देशित इस फिल्म में कीर्ति सुरेश के अभिनय को कई लोगों ने काफी पसंद किया है। फिल्म में कीर्ति ने मीरा का किरदार निभाया है।इस बीच, निजी जीवन की बात करें तो कीर्ति सुरेश ने हाल ही में अपने लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड एंटनी से शादी की है। 12 दिसंबर को दोनों ने गोवा में पारंपरिक दक्षिण भारतीय तरीके से शादी की। समारोह की तस्वीरें और वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए। एंटनी एक व्यवसायी हैं जो दुबई और अपने गृहनगर कोच्चि, केरल से काम करते हैं। इन दोनों की शादी में दलपति विजय भी शामिल हुए थे।

कृष्णा-गोविंदा का झगड़ा खत्म, पीएम मोदी से मिले सितारे; जेहन में बस गईं साल की ये 10 तस्वीरें

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । साल 2024 में मनोरंजन जगत की कई घटनाओं ने फैंस को आकर्षित किया। इनमें अंबानी की शादी, कृष्णा-गोविंदा का फिर मिलना और पीएम मोदी की कपूर परिवार से मुलाकात के पल शामिल हैं। चलिए एक नजर डालते हैं इस साल की 10 बेहतरीन तस्वीरों पर...साल 2024 अब अलविदा कहने वाला है। यदि आपसे पूछा जाए कि आपका यह साल कैसा रहा तो आपकी आंखों के सामने कई तरह की यादगार तस्वीरें और खूबसूरत पल आ जाएंगे। मनोरंजन जगत में भी यह साल काफी मजेदार रहा। इस साल की कई बेहतरीन यादें और तस्वीरें हैं, जिन्होंने दर्शकों को हंसाया भी, रुलाया भी और थिरकने के लिए मजबूर भी किया। चलिए एक नजर डालते हैं इस साल की उन 10 तस्वीरों पर, जो लोगों के जेहन में बस गईं दिलजीत दोसांझ ने आधिकारिक तौर पर 2024 के वैश्विक देसी आइकन के रूप में अपनी जगह बनाई। उनका दिल-लुमिनाटी टूर सिर्फ एक संगीत कार्यक्रम नहीं था, यह एक अनुभव था। भारत से लेकर यूके और यहां तक कि कनाडा तक, दिलजीत के शो में फैंस से खचाखच भरे मैदान, नम आंखों वाले प्रशंसक देखने को मिले। कई इवेंट से

बेहतरीन तस्वीरें और किस्से भी सामने आए। दिलजीत के एक शो के दौरान एड शीरन अपने गिटार पर पंजाबी ट्रैक पर बजाते हुए मंच पर चले गए, जो सबसे यादगार पल बना। किरण राव की लापता लेडीज सिर्फ एक और बॉलीवुड फिल्म नहीं थी, यह एक मास्टरपीस थी। ग्रामीण भारत पर आधारित दो लापता महिलाओं की कहानी वाली फिल्म ने विश्व स्तर पर दिलों को छू लिया। इसकी कहानी बेहद साधारण और गहरी थी, जिसमें हास्य और व्यंग्य के साथ समाज को आईना दिखाने का काम किया गया। इस साल यह ऑस्कर में भारत की आधिकारिक एंट्री भी बनी। हालांकि, अब यह ऑस्कर रेस से बाहर हो चुकी है। अगर बॉलीवुड ने सिनेमाघरों पर राज किया तो ओटीटी ने फैंस लिविंग रूम पर राज किया। संजय लीला भंसाली की डेब्यू सीरीज 'हीरामंडी' अपने भव्य सेट, वेशभूषा और दिलचस्प कहानी के साथ एक विजुअल ट्रीट थी। इस सीरीज ने कई सितारों को एक साथ स्क्रीन पर दिखाया। सीरीज के जरिए फरदीन खान, मनीषा कोइराला और संजय लीला भंसाली ने ओटीटी डेब्यू किया। इसकी कहानी ने दर्शकों के रौंगटे खड़े कर दिए। मनोरंजन और टेलीविजन इंडस्ट्री ने 2024 में एक दिल को छू लेने वाला पल देखा, जब गोविंदा और कृष्णा अभिषेक ने अपने लंबे समय से चले आ रहे झगड़े को खत्म कर दिया। मामा-भांजे की जोड़ी द ग्रेट इंडियन कपिल शो के दौरान गले मिली, जिससे आरती सिंह की आंखों में आंसू आ गए। इससे पहले गोविंदा आरती सिंह की शादी में उन्हें आशीर्वाद देने पहुंचे थे। कृष्णा अभिषेक और कश्मीरा शाह अपने मामा को वहां देखकर बहुत खुश हुए। दोनों ने अपने सात साल के झगड़ें को समाप्त कर दिया। इस साल अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के समारोह ने दुनियाभर के लोगों को आकर्षित किया।

करणवीर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करेंगी सारा अरफीन, साइको के टैग पर बोलीं- यह रिएलिटी शो है

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली । अरफीन के नॉमिनेशन के बाद, सारा लगभग तीन महीने तक घर में टिकी रहीं, लेकिन इस वीकेंड उन्हें घर से बाहर होना पड़ा। जब अभिनेत्री से माइंड कोच बनी

सारा अरफीन खान अपने पति के साथ बिग बॉस 18 में आईं , तो सभी को उम्मीद थी कि यह जोड़ी शानदार प्रदर्शन करेगी। हालांकि, वे घर में दबाव का सामना नहीं कर सकीं। अरफीन के नॉमिनेशन के बाद, सारा लगभग तीन महीने तक घर में टिकी रहीं, लेकिन इस वीकेंड उन्हें घर से बाहर होना पड़ा। अब हाल ही में, एक साक्षात्कार में सारा अरफीन ने बताया है वह करणवीर मेहरा के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं करेंगी। सारा अरफीन ने अपने हालिया साक्षात्कार में लोगों द्वारा उन्हें साइको का टैग दिए जाने को लेकर कहा ङ्कमैंने कभी भी शारीरिक हिंसा नहीं की, मैं एग्रेसिव हो गई, यह एक रिएलिटी शो है, जहां अपना आपा खोना बहुत आम बात है। लोग ड्रामा देखना चाहते हैं, और उन्हें सिर्फ प्यार दिखाने से कोई मदद नहीं मिलेगी।सारा ने आगे कहा, अगर मैं शो को मसाला दे सकती हूं तो इसमें क्या गलत है अपनी सीमाओं को प्रोटेक्ट करना मेरा गेम प्लान था। मुझे चुम दारंग और करणवीर मेहरा से शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ा, मैंने उसकी वजह से अपनी पीठ पर चोट खाई, लेकिन मैंने जवाबी कार्रवाई नहीं की। उन्होंने मुझे पागल या साइको कहा, लेकिन किसी ने मेरे लिए स्टैंड नहीं लिया। मुझे लगा कि दर्शकों ने मुझे निशाना बनाया है।सारा ने यह भी कहा कि शो में हमेशा उनके प्रोफेशन को लेकर सवाल खड़ा किया गया है। सारा ने कहा कि अविनाश ने हमेशा मेरे प्रोफेशन को लेकर हमेशा मुझे नीचा दिखाया गया है। उसने एक नैरेटिव सेट किया है, जिसका करणवीर ने इस्तेमाल किया है। जब मैंने अपनी सीमा तय कर ली है को इसे लेकर मुझे पागल क्यों समझा जाता था सारा ने यह भी कहा, ठआपको लगता है, मुझे करणवीर से डर लग गया था जब उसने मुझे धक्का दिया, मैं उसे गलत जगह एक मुक्का मार सकती थी और वह खत्म हो जाता, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। मुझे दर्शकों से बहुत सारे नफ़रत भरे संदेश मिले हैं, फिर भी मैं यहाँ मज़बूती से खड़ी हूं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।